दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 235 | ग्वालियर, गुरुवार, 15 जून 2023 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

बीजेपी को मिला 2024 में जीत दिलाने वाला फॉर्मूला

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव में अब सिर्फ एक साल से भी कम का वक्त रह गया है. पीएम मोदी के नेतृत्व में बीजेपी ने अपनी तैयारियां शुरू कर दी है लेकिन कर्नाटक में मिले झटके के बाद बीजेपी सतर्क है और कोई भी चूक नहीं करना चाहती है. यही वजह है 2024 रण में बीजेपी बड़े बदलाव के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रही है. क्या इस बदलाव से बीजेपी को जीत का फॉर्मूला मिल गया है, आइए बीजेपी का प्लान समझते हैं. सूत्रों के मुताबिक, 2024 में बीजेपी केंद्र सरकार में शामिल सभी मंत्रियों को लोकसभा का चुनाव लड़ाने का मन बना चुकी है. मोदी सरकार के कई बड़े और तेज तर्रार मिनिस्टर चुनाव के मैदान में दिख सकते हैं. यानी विदेश मंत्री एस जयशंकर, वित्त मंत्री निर्मला सीतारामन, रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान जैसे नेता अपने लिए वोट मांगते हुए दिखाई दे सकते हैं. अभी ये राज्यसभा के सदस्य हैं. जानकारी के मुताबिक, पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने इन मंत्रियों को संदेश दे दिया है कि 2024 में अपने लिए लोकसभा सीटों की तलाश शुरू कर दें, जहां से वे चुनाव लड़ सकते हैं. यही नहीं, इन मंत्रियों की सीटों को लेकर भी चर्चा होने लगी है. राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि विदेश मंत्री एस जयशंकर दिल्ली की किसी सीट या फिर तमिलनाडु से चुनाव लड़ सकते हैं. धर्मेंद्र प्रधान एक बार ओडिशा के देवघर से चुनाव जीत चुके हैं. ऐसे में उनके ओडिशा की ही किसी सीट से चुनाव में उतरने की संभावना है. मंत्री ज्योतिरादित्य ने सिंधिया ने तो तैयारी शुरू भी कर दी है. पिछले महीने ही मंच से उनका माफी वाला वीडियो भी आया था. 2019 में कांग्रेस के टिकट पर सिंधिया गुना सीट से चुनाव लड़े थे लेकिन बीजेपी के हाथों हार गए थे. बाद में सिंधिया बीजेपी में शामिल हो गए और राज्यसभा से सांसद बने. अब एक बार फिर वे लोकसभा की तैयारी कर रहे हैं.

चक्रवात बिपारजॉय के गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्रों से टकराने की संभावना

नई दिल्ली। गुजरात के सौराष्ट्र और कच्छ क्षेत्रों के साथ-साथ पाकिस्तान के निकटवर्ती क्षेत्रों में चक्रवात बिपरजॉय के आने के बाद से हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है. चक्रवात के गुरुवार शाम को लैंडफॉल की भविष्यवाणी की गई है, से जहां तेज हवाएं चल सकती हैं, वहीं भारी बारिश हो सकती है. एक प्रारंभिक उपाय के रूप में अहमदाबाद नगर निगम ने असुरक्षित क्षेत्रों में लगाए गए होर्डिंग्स को हटाने और गिरने की आशंका वाले कमजोर पेड़ों को काटने का निर्णय लिया है. चक्रवात बिपारजॉय के जखाऊ बंदरगाह के पास कच्छ, गुजरात में मांडवी और पाकिस्तान में कराची के बीच पार करने का अनुमान है. चक्रवात के लैंडफॉल से 125-135 किमी प्रति घंटे की गति के साथ तेज हवाएं चलने का अनुमान है, जो 150 किमी प्रति घंटे तक भी पहुंच सकती है. रेस्क्यू ऑपरेशन दो चरणों में चलाया जा रहा है. पहले चरण में समुद्र तट के 0 से 5 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले व्यक्तियों को निकालना शामिल है. दूसरा चरण तट के 5 से 10 किलोमीटर के भीतर रहने वालों को स्थानांतरित करने पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है. गुजरात में अधिकारियों ने तटीय निवासियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए बड़े पैमाने पर निकासी का प्रयास शुरू किया है. चक्रवात के प्रभाव की प्रत्याशा में लगभग 37,800 व्यक्तियों को संवेदनशील क्षेत्रों से अस्थायी आश्रयों में स्थानांतरित किया गया है. कच्छ जिले में जखाऊ बंदरगाह सबसे अधिक प्रभावित होने वाले क्षेत्रों में से एक है.

ओम प्रकाश राजभर से बीजेपी के गठबंधन पर भूपेंद्र चौधरी ने दिया बयान

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी एक दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे, जहां एबीपी गंगा से बात करते हुए उन्होंने बसपा सुप्रीमो मायावती पर पलटवार करते हुए कहा कि बीजेपी एक विचारधारा से जुड़े लोगों का समूह है और हम एक विचार के आधारा पर प्रदेश और देश में सरकार का संचालन कर रहे हैं. हमारी आस्था, परंपरा, संस्कृति के आधार पर हमारी सरकार चले ये हमारा संकल्प है. हमारा कोई छुपा हुआ एजेंडा नहीं हैं. बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा था कि बीजेपी और कांग्रेस प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं कि कौन बड़ा हिन्दुत्ववादी है. इस पर भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि हमारा कोई छुपा हुआ एजेंडा नही है हमने संकल्प पत्र में जो बातें कही हैं वो कर रहे हैं. हमे गर्व है कि हम हिन्दू है और हम हिन्दू परम्परा और हिन्दू आस्था को मानने वाले लोग है. इसके साथ ही उन्होंने समाजवादी पार्टी के सॉफ्ट हिंदुत्व के सवाल भी जवाब दिया और कहा कि ये लोग कंफ्यूज है.

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

गोलीबारी में 9 लोगों की मौत, कई घायल

नई दिल्ली। हिंसा प्रभावित मणिपुर में एक बार फिर शांति की कोशिशों को बड़ा झटका लगा है. प्राप्त जानकारी के अनुसार, मणिपुर के इंफाल ईस्ट जिले के खमेनलोक इलाके में हुई ताजा हिंसा में नौ लोगों की मौत हो गई है. वहीं, इस हिंसा में कई लोगों के घायल होने की जानकारी भी सामने आई है. न्यूज एजेंसी एएनआई के अनुसार, उग्रवादियों की ओर से मंगलवार (13 जून) को अचानक की गई गोलीबारी में 9 लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हो गए हैं. बताया जा रहा है कि इस दौरान शरारती तत्वों ने खमेनलोक गांव के कई घरों में भी आग लगा दी. तामेंगलोंग जिले के गोबाजंग में भी कई लोगों के घायल होने की खबर है. इंफाल ईस्ट के पुलिस आयुक्त शिवकांत सिंह ने बताया कि

खमेनलोक इलाके में भड़की ताजा हिंसा में 9 लोगों की मौत हो गई और 10 लोग घायल हुए हैं. पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जा रही है. वहीं, एनडीटीवी की रिपोर्ट के मुताबिक, मरने वाले नौ लोगों में एक महिला भी शामिल है. घायलों में से कई लोगों को इंफाल में उपचार के लिए ले जाया गया है. हिंसा में मरने वाले लोगों में से कई के शरीर पर चोट के निशान और गोलियों के जख्म पाए गए हैं. मणिपुर में हुई ताजा हिंसा राज्य में शांति के प्रयासों को एक बड़ा झटका लगा है. एक महीने से ज्यादा समय से हिंसाग्रस्त मणिपुर में लगातार शांति की कोशिशें की जा रही हैं. मैतेई और कुकी समुदाय के बीच आरक्षण को लेकर झड़प हो गई थी. ये घटना ऐसे समय में हुई है, जब एक दिन पहले ही कर्फ्यू में ढील दी गई थी. खमेनलोक इलाके में बीते कुछ दिनों से लगातार तनाव बना हुआ था.

धर्मांतरण रैकेट के मास्टरमाइंड बद्दो के खिलाफ एनएनए लगाने की तैयार

नई दिल्ली। ऑनलाइन गेमिंग के जरिए धर्मांतरण कराने के मामले में गिरफ्तार हुए शाहनवाज उर्फ बद्दो पर अब राष्ट्रीय सुरक्षा कानून यानी ह्क लगाने की तैयारी शुरू हो चुकी है. गाजियाबाद पुलिस को बद्दो के खिलाफ कई सबूत मिले हैं, जिसके बाद उसके खिलाफ एनएसए लगाया जा सकता है. गाजियाबाद सिटी के डीसीपी ने ये जानकारी दी है. ये भी बताया गया है कि बद्दो का पाकिस्तान से भी कनेक्शन सामने आया है. ये तमाम जानकारियां उसकी कॉल डीटेल की जांच के बाद सामने आई है. गाजियाबाद सिटी के डीसीपी निपुण अग्रवाल ने बताया कि शाहनवाज उर्फ बद्दो की कॉल डिटेल में ब? खुलासा हुआ है. इसमें बता चला है कि उसकी 30 पाकिस्तानी नंबरों से बातचीत हुई थी. इसके अलावा बद्दो से दो मेल आईडी भी मिली हैं, जिनमें से एक पाकिस्तान की है. पुलिस को बद्दो की पीओके में बैठे एक शख्स से चैट भी मिली है. इसके अलावा लाहौर के ट्रैफिक इंस्पेक्टर का एक आईडी कार्ड भी बरामद हुआ है. दरअसल गाजियाबाद से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया था, जहां एक बच्चा जिम का बहाना बनाकर दिन में पांच बार मस्जिद में नमाज पढ़ने जाता था. इसके बाद जब मामला पुलिस के पास गया तो पता चला कि ऑनलाइन गेमिंग के चलते एक शख्स ने उसका ब्रेन वॉश किया था. मामले के तार कई और जगहों से भी जुड़ने लगे और धर्मांतरण रैकेट का खुलासा हुआ. इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड पिछले कई दिनों से यूपी और महाराष्ट्र पुलिस की आंखों में धूल झोंक रहा था. आखिरकार गाजियाबाद पुलिस की एक टीम ने आरोपी शाहनवाज मकसूद खान उर्फ बद्दो को महाराष्ट्र के ठाणे जिले से गिरफ्तार किया और उसे ट्रांजिट रिमांड पर लेकर गाजियाबाद पहुंची. गाजियाबाद लाए जाने के बाद आरोपी को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया.

तीन दिन के हिमाचल प्रवास पर पहुंचे आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक के प्रमुख मोहन भागवत तीन दिवसीय हिमाचल प्रवास पर पहुंचे हैं. बुधवार सुबह ऊना रेलवे स्टेशन पहुंचने पर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत का स्वयंसेवकों ने जोरदार स्वागत किया. मोहन भागवत कड़ी सुरक्षा के बीच वंदे भारत ट्रेन से ऊना पहुंचे. मोहन भागवत के हिमाचल दौरे के बीच सुरक्षा एजेंसी अभी अलर्ट पर हैं. ऊना पहुंचने के बाद

भागवत हमीरपुर के लिए रवाना हो गए. राष्ट्रीय स्वयंसेवक प्रमुख मोहन भागवत अगले तीन दिन तक हमीरपुर के टिप्पर में बने आरएसएस कार्यालय में प्रवास करेंगे. यहां पर उत्तर क्षेत्र संघ शिक्षा का द्वितीय वर्ष चल रहा है. इसमें देश के पांच अलग-अलग राज्यों के 260 स्वयंसेवक हिस्सा ले रहे हैं. यह वर्ग 4 जून को शुरू हुआ था, जो 25 जून तक चलेगा. मोहन भागवत इसी कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए हिमाचल पहुंचे हैं. इस दौरान स्वयंसेवकों को मोहन भागवत का मार्गदर्शन भी मिलेगा.

बीजेपी का दावा- राहुल गांधी नचा रहे जैक डॉर्सी की कठपुतली

नई दिल्ली। बीजेपी ने ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डॉर्सी के केंद्र सरकार पर लगाए गए आरोपों को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से भड़काया गया मामला बताया. इन दावों पर उद्धव ठाकरे गुट की राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने सवाल खड़े किए हैं. शिवसेना के उद्धव गुट की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि क्या ये पीएम और सरकार की शानदार विफलता नहीं है कि राहुल गांधी बिना किसी पद के ही तारों को खींच रहे हैं. केंद्र सरकार की ओर से जैक डॉर्सी के सनसनीखेज दावों को खारिज कर दिया था. इसके बाद विपक्ष और सरकार के बीच जुबानी जंग छिड़ गई है. बीजेपी नेता संबित पात्रा ने ट्विटर पर एक कार्टून पोस्ट किया था. इस कार्टून में राहुल गांधी एक कठपुतली चलाने वाले के तौर पर दिखाए गए हैं. वहीं, जैक डॉर्सी को कठपुतली के तौर पर दिखाया गया है. जिसके डोर राहुल गांधी के हाथों में दिखाई गई है. संबित पात्रा ने ये कार्टून पोस्ट करने के साथ लिखा कि अनुमान लगाने

की कोई जरूरत नहीं है, हम सभी जानते हैं कि डोर कौन खींच रहा है. ट्विटर के पूर्व सीईओ जैक डॉर्सी ने किसान आंदोलन से जुड़े मामलों को लेकर केंद्र सरकार के खिलाफ कई सनसनीखेज दावे किए. शिवसेना (यूबीटी) की नेता प्रियंका चतुर्वेदी ने ट्वीट करते हुए लिखा, वो सांसद नहीं हैं. वो मंत्री नहीं हैं. वो प्रधानमंत्री नहीं हैं. न विपक्षी पार्टी के अध्यक्ष हैं. एक नागरिक है और इस ट्वीट के हिसाब से वो फिर भी डोर खींच रहे हैं. क्या ये पीएम और सरकार की विफलता नहीं है.

जैक डॉर्सी ने केंद्र सरकार पर खड़े किए थे सवाल-ट्विटर के को-फाउंडर रहे जैक डॉर्सी ने एक यूट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा कि किसान आंदोलन के दौरान भारत सरकार ने ट्विटर को उसके कर्मचारियों पर छापा मारने और ऑफिस को बंद करने की धमकी दी थी. उन्होंने दावा किया कि केंद्र सरकार ने कुछ लोगों के अकाउंट बंद करने का दबाव बनाया था.

22 जनवरी को अयोध्या के राम मंदिर में विराजमान होंगे रामलला!

अयोध्या में 22 जनवरी 2024 को रामलला विराजमान होंगे. रामलला के पूजन के लिए राम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से पीएम मोदी को न्योता भेजा गया गया है. हालांकि अभी तक प्रधानमंत्री कार्यालय की तरफ से पीएम मोदी के कार्यक्रम में शरीक होने को लेकर कोई जवाब नहीं दिया गया है. राम मंदिर ट्रस्ट की तरफ से पीएम मोदी को भेजे गए न्योते की जानकारी शेयर की गई थी. श्रीराम की नगरी अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है, जिसकी तैयारियां की जा रही हैं. 22 जनवरी 2024 वो तारीख है, जिस दिन राम मंदिर के दर्शन के लिए करोड़ों भक्तों का इंतजार खत्म हो जाएगा. इस दिन भगवान रामलला गर्भगृह में विराजमान होंगे. रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के वक्त देश के सभी क्षेत्रों के मंदिरों को सजाया जाएगा.

मोदी सरकार कर रही बदले की कार्रवाई

तमिलनाडु के मंत्री की गिरफ्तारी पर भड़के कांग्रेस अध्यक्ष खरगे

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तमिलनाडु के मंत्री वी. सेंथिल बालाजी को गिरफ्तार किया है. मंत्री से लंबी पूछताछ के बाद ईडी ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तारी के दौरान मंत्री सेंथिल रोते हुए भी नजर आए. अब इस मामले में मंत्री सेंथिल बालाजी को कांग्रेस का साथ मिला है. कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने सेंथिल की गिरफ्तारी की निंदा की है. खरगे ने इसे राजनीतिक बदले की कार्रवाई करार दिया है और कहा है कि मोदी सरकार नेताओं को प्रताड़ित करने का काम कर रही है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि देर रात हुई सेंथिल बालाजी की गिरफ्तारी निंदनीय है. ये और कुछ नहीं बल्कि राजनीतिक प्रताड़ना है. मोदी सरकार अपनी आलोचना करने वालों के खिलाफ बदले की कार्रवाई कर रही है. हमारी तरह पूरा विपक्ष ऐसी कार्रवाई से डरने वाला नहीं है. मनी लॉन्ड्रिंग मामले में तमिलनाडु के मंत्री वी सेंथिल बालाजी से कई घंटे तक पूछताछ

की गई, जिसके बाद देर रात उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया. गिरफ्तारी के बाद जब मंत्री को कार में बिठाया गया तो वो फफककर रो पड़े, इस दौरान मंत्री को बेचैनी की शिकायत के कारण शहर के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया. अब सेंथिल को कोर्ट में पेश किया जा सकता है, जहां एजेंसी उनकी कस्टडी की मांग करेगी. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच के सिलसिले में करूर जिले से ताल्लुक रखने वाले द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के कद्दावर नेता बालाजी से जुड़े परिसरों पर मंगलवार 13 जून को छापेमारी की थी. हाईकोर्ट ने बालाजी के खिलाफ कथित 'नौकरी के बदले नकदी' घोटाले में पुलिस और ईडी को जांच की इजाजत दी थी, जिसके कुछ महीने बाद ये कार्रवाई की गई. अब इस गिरफ्तारी को लेकर विपक्ष एक बार फिर केंद्र सरकार पर हमलावर हो गया है और इसे बदले की कार्रवाई बताया जा रहा है.

खाप पंचायतों का हरियाणा बंद आज, चक्का जाम करने की तैयारी

नई दिल्ली। खाप पंचायतों की तरफ से बुधवार को हरियाणा बंद किया गया है. भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी, रस्सककी मांग सहित विभिन्न मुद्दों को लेकर खाप पंचायतों ने हरियाणा बंद का ऐलान किया है. इस दौरान राजधानी दिल्ली में दूध, फल और सब्जी की सप्लाई बंद करने की बात कही गई है. झज्जर जिले के बहादुरगढ़ स्थित मांडोठी टोल प्लाजा पर 3 दिन पहले जनता संसद में सर्वसम्मति से हरियाणा बंद का फैसला लिया गया था. खाप पंचायतों के बंद के ऐलान को देखते हुए प्रदेशभर में सुरक्षा बढ़ाई गई है. जिन जिलों में बंद का असर दिखने वाला है वहां सुरक्षा बलों की तैनाती की गई है. आज हरियाणा बंद में खाप पंचायतों के अलावा विभिन्न राजनीतिक दल और किसान संगठन भी शामिल हो सकते है. इस बंद का व्यापक असर अगर हरियाणा में दिखाई दिया तो राजधानी दिल्ली में भी इसका प्रभाव देखा जा सकता है. क्योंकि हरियाणा के लाखों लोग रोजाना दिल्ली आते-जाते है. इसे अलावा दूध, पानी और सब्जी सप्लाई को बंद करने की भी बात कहीं गई है जिससे दिल्ली में भी बंद का असर दिखाई दे सकता है.

उत्तरकाशी महापंचायत के खिलाफ सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। उत्तराखंड के उत्तरकाशी में 15 जून को होने जा रही महापंचायत के खिलाफ सुनवाई से सुप्रीम कोर्ट ने मना कर दिया है. हिंदू संगठनों ने लव जिहाद और लैंड जिहाद के खिलाफ उत्तरकाशी के पुरोला में यह महापंचायत बुलाई है. सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से मना करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता को हाई कोर्ट में अपनी बात रखनी चाहिए. याचिकाकर्ता एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स की तरफ से वकील शाहरुख आलम ने मामला सुप्रीम कोर्ट में रखा. उन्होंने जजों से कहा कि एक समुदाय को जगह खाली करने के लिए धमकाया जा रहा है. सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड सरकार को भड़काऊ भाषण पर कार्रवाई का आदेश दिया हुआ है. इसलिए, कार्यक्रम पर रोक लगनी चाहिए. जस्टिस विक्रम नाथ और अहसानुद्दीन

अमानुल्लाह की अवकाशकालीन बेंच सुनवाई को तैयार नहीं हुई. जस्टिस नाथ ने कहा - कानून-व्यवस्था देखना प्रशासन का काम है. आप हाई कोर्ट को हमारे पिछले आदेश की जानकारी देकर सुनवाई का अनुरोध कर सकते हैं. वकील ने सुनवाई पर जोर देते हुए कहा कि महापंचायत में बहुत कम समय बचा है. इस ओर जस्टिस अमानुल्लाह ने कहा, हम यह नहीं समझ पा रहे कि आपको हाई कोर्ट जाने में क्या समस्या है। अगर सुप्रीम कोर्ट ने पहले कोई आदेश दिया है, तो मामला यहीं रखना जरूरी नहीं. आप को हाई कोर्ट पर विश्वास रखना चाहिए. जजों के रुख को देखते हुए वकील ने याचिका वापस लेने की अनुमति मांगी. उन्होंने कहा कि वह प्रशासन को ज्ञापन देंगे. हाई कोर्ट में भी याचिका दाखिल करेंगे. इसके बाद जजों ने उन्हें याचिका वापस लेने की इजाजत दे दी. इस महापंचायत के खिलाफ दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रोफेसर अपूर्वानंद और लेखक अशोक वाजपेयी ने चीफ जस्टिस को पत्र याचिका भेजी है. एनजीओ पीपुल्स यूनियन फॉर सिविल लिबर्टीज ने भी संज्ञान लेने और महापंचायत पर रोक लगाने की मांग की है. हालांकि, उनकी तरफ से आज सुनवाई का अनुरोध कोर्ट में नहीं रखा गया.

अधिकारियों पर भारी ठेकेदारी नेशनल हाईवे क्रमांक 346 पर चल रहे रोड निर्माण कार्य

मुंगावली। आर जी बिल्डवेल कंपनी के पेटी कांट्रेक्टर जेड वर्क द्वारा अपनी मनमर्जी से अर्थ वर्ग निर्माण कार्य कर रहे हैं जैसा रोड निर्माण में होने वाली मिट्टी कोपरा मुरम की खदान की विधिवत लीज ली जाती है लेकिन ठेकेदार की मनमर्जी से कहीं से भी सैकड़ों डंपर मिट्टी उठाकर रोड पर डाली जा रही है और जगह-जगह गहरी खाई बन गई है जो अभी बारिश के समय में जानलेवा साबित हो सकती हैं अगर बारिश के समय जान माल का नुकसान होता है तो क्या इसकी जिम्मेदारी ठेकेदार लेगा या प्रशासनिक अधिकारी लेकिन विभाग से कोई भी अनुमति नहीं होने पर भी अपनी मनमर्जी से अवैध अर्थ मिट्टी अर्थ वर्ग का निर्माण धड़ल्ले से किया जा रहा है जिसकी अनुमति ना होने पर राजस्व को लाखों रुपए का चूना ठेकेदार द्वारा लगाया जा रहा है जहां देखा जाए तो खनिज विभाग और राजस्व विभाग दोनों की तरफ से कोई भी परिवहन की अनुमति नहीं दी गई है लेकिन फिर भी ठेकेदार अपनी मनमर्जी से रोड निर्माण में उपयोग होने वाली मिट्टी का बेधड़क इस्तेमाल कर रहे हैं और दोनों विभाग के अधिकारी अपनी बंद आंखों से यह सब देख रहे हैं क्या विभागीय उदासीनता के चलते ठेकेदार द्वारा अपने मनमर्जी कार्य करता रहेगा या कोई राजस्व अधिकारी या खनिज अधिकारी इन पर कार्यवाही कर सकने की जिम्मेदारी उठा सकता है या फिर यही कहने को आएगा कि अधिकारी पर भारी ठेकेदारी

आधार कार्ड संसोधन के नाम पर लिए जा रहे मन चाये पैसे

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- खबर शिवपुरी जिले की नरवर तहसील से है। जहां के नई तहसील के सामने आधार कॉर्ड बनाये जाते है और आबेदको से अनाब सनाव पैसे लिये जा रहे है एसा ही एक मामला सामने आया है नरबर तहसील की महिला आधार कार्ड संसोधन कराने आई थी पहले उसको मना कर दिया गया बो बहुत परेशान होती रही उस महिला से संसोधन के लिए पेन कार्ड मंगाया वोटर आईडी को कहा उसके पास नहीं थे उस महिला ने राज्य सरकार

द्वारा बनाया गया मूलनिवासी प्रमाण पत्र दिया गया जो की आई डी प्रूफ के लिए संसोधन करने का प्रावधान है लेकिन बाईसराम धाकड़ आधार कार्ड ऑपरेटर ने उस महिला को मना कर दिया परंतु कुछ समय बाद बाईसराम धाकड़ का एक और ऑपरेटर ने उस महिला को बुलाया साइड में लेजाकर बात की तथा संसोधन करने की लिए 1000 ह्ह्य माँगे गये महिला के पास नहीं थे उसने कहा थोड़े बहुत चाहिए तो लेलो मेरे पास नहीं है फिर उस ऑपरेटर ने भगा दिया बेचारी महिला ने अपने भाई को बुलाया और उससे 1000 ह्ह्य लिए तब बाईसराम धाकड़ को आधार कार्ड में संसोधन करने के लिए दिये और जो मूल निवासी प्रमाण पत्र से मना कर दिया था बही मूलनिवासी प्रमाण पत्र से आधार कार्ड संसोधन किया 1000 ह्ह्य में फिर कैसे होगया एसे रोज़ के मामले सामने आते रहते है आधार कार्ड जो 50 ह्ह्य में अपडेट होजाता है उस के लिये 1000 ह्ह्य 500 ह्ह्य लिए जा रहे है महिला ने खुद बयान दिया है

शिवपुरी पुलिस की त्वरित कार्यवाही

करैरा पुलिस द्वारा मूर्ति तोड़ने बाले आरोपी को दो कैनों मे 70 लीटर कच्ची शराब कीमती करीवन 14000 रूपये के साथ किया गिरफ्तार

राकेश परिहार पिछोर
9691338626

पुलिस अधीक्षक श्री रघुवंश कुमार सिंह द्वारा जिले मे

अवैध मादक पदार्थ जुआ सट्टा, अवैध हथियार, अवैध खनन परिवहन ,अवैध शराव की धरपकड अभियान के तहत जीरो टालरेन्स अपनाने के निर्देश दिये गये उक्त निर्देशों के पालन मे अति0 पुलिस अधीक्षक श्री प्रवीण भूरिया के निर्देशन में एवं करैरा श्री संजय चतुर्वेदी जी के कुशल मार्गदर्शन मे पुलिस थाना करैरा द्वारा एक अपराध मे आरोपियों को अवैध शराब के साथ गिरफ्तार कियाह । दिनांक 11.06.2023 की रात्रि मे ग्राम टोडा पिछोर मे अज्ञात आरोपी द्वारा पुराने शंकर जी के मंदिर मे रखी नादिया, शंकर की मूर्ति खंडित की गयी थी तथा पार्वती की मूर्ति को लेकर चला गया था फरियादी नाती राजा चौहान की रिपोर्ट पर से अज्ञात आरोपी के विरूध्द अप क्रं. 362/23 धारा 295 भादवि का कायम कर विवेचना मे लिया गया तथा पुलिस द्वारा इसे चैलेंज के रूप मे लिया गया अनुसंधान के दौरान आरोपी कमलसिंह लोधी को नाम दर्ज किया गया तथा दिनांक 13.06.2023 रात्रि में कस्वा भ्रमण के दौरान थाना करैरा पुलिस को मुखविर द्वारा सूचना मिली कि मूर्ति तोड़ने बाला आरोपी कमलसिंह दो प्लास्टिक की कैन जिनमें कच्ची शराब भरकर बीजरीनाला के पास टोडा पिछोर रोड पर से करैरा जा रहा है । मुखबिर की सूचना की तस्दीक हेतु हमराही फोर्स की मदद से बीजरीनाला के पास टोडा पिछोर रोड पहुंचा तो एक ब्यक्ति रोड किनारे दो प्लास्टिक के कैन रखे हुए दिखाई दिया जो पुलिस को देख भागने का प्रयाश करने लगा जिसे पुलिस बल की सहायता से पकडा, कैनों के ढक्कन खोलकर सूंघा तो उनमे देशी शराब होना पायी गयी उक्त ब्यक्ति से नाम व पता पूछने पर अपना नाम कमलसिंह लोधी पुत्र जहार सिंह लोधी उम्र 23 बर्ष नि. टोड़ियापुरा टोडा पिछोर का होना बताया । आरोपी के कब्जे से दो प्लास्टिक की कैन जिसमें करीब 70 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब कीमती करीवन 14000 रुपये को विधिवत जप्त किया । आरोपी के विरूध्द धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत अप0 क्र0 367/23 पंजीबद्ध किया गया ।

आरोपी कमलसिंह लोधी से हिकमतअमली से पूछताछ करने पर थाना हाजा के अप क्रं. 362/23 धारा 295 भादवि की घटना करना स्वीकार किया बताया कि मैने ही शराब के नशे मे ग्राम टोडा पिछोर मे शंकर जी के मंदिर मे मूर्तियों की तोडफोड की थी । आरोपी से खंडित मूर्तियां बरामद हुयी है ।

बरामद माल 01. 70 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब कीमती 14,000 हजार रुपये,

उक्त कार्यवाही मे थाना प्रभारी करैरा निरी0 श्री सुरेश शर्मा, सउनि कमलसिंह बंजारा , सै.190 रामनिवास ,एनआरएस उदल परिहार की सराहनीय भूमिका रही

एडवेंचर शिविर पचमढ़ी के लिए गरियाबंद स्काउट गाइड रवाना

संवाददाता हेमचंद नागेश

राजिम। राज्य मुख्य आयुक्त विनोद सेवनलाल चंद्राकर संसदीय सचिव एवं राज्य सचिव कैलाश सोनी के निर्देशानुसार जिला शिक्षा अधिकारी डी एस चौहान एवं जिला सचिव रोमन साहू के मार्गदर्शन में डी.ओ.सी (स्काउट) आशीष कुमार के नेतृत्व में भारत स्काउटस एवम गाइड्स छ ग जिला संघ गरियाबंद से जिले के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय के 6 स्काउट गाइड एवं 1 प्रभारी गाइडर दिनांक 15 से 19 जून तक आयोजित राज्य स्तरीय आपदा प्रबंधन, व्यक्तित्व विकास एवं पर्वतारोहण शिविर स्थान पचमढ़ी मध्यप्रदेश में भाग लेने हेतु ट्रेन से रवाना हुए। जिला सचिव, जिला संघ आजीवन सदस्य प्रकाश साहू एवं सेजेस राजिम के प्राचार्य संजय इक्का ने राज्य द्वारा दिए गए बैग, टीशर्ट, पानी बोतल प्रतिभागियों को प्रदान कर शिविर के लिए रवाना किया। उक्त शिविर में प्रतिभागी के रूप में सेजेस राजिम, फिंगेश्वर, गरियाबंद एवं देवभोग के हेमलता साहू, पायल साहू, राशि देवांगन, आयान, अली, तुषार कश्यप, विशेष कुमार जगत एवं जिला दल प्रभारी गीतांजली सिन्हा कुल 7 स्काउट गाइड एवं प्रभारी रवाना हुए । उक्त कार्यक्रम में जिला भोजन प्रभारी प्रेम लाल साहू, देवभोग से भवानी शंकर, बी एल ध्रुव, विक्रम ठाकुर उपस्थित हुए।

गरियाबंदः शिवम कॉलेज ऑफ नर्सिंग के छात्र छात्राओं ने किया रक्तदान

संवाददाता हेमचंद नागेश

गरियाबंद। विश्व रक्तदाता दिवस (14 जून) के अवसर पर शिवम कॉलेज ऑफ नर्सिंग गरियाबंद एवं यूथ रेडक्रॉस सोसाइटी प्रभारी रोमण लाल साहू के निर्देषन में रक्तदान शिविर का आयोजन मंगलवार सुबह 10 बजे जिला चिकित्सालय गरियाबंद के ब्लड बैंक षाखा में किया गया। वही रेडक्रास संस्था प्रभारी पूरण लाल साहू बताया गया कि रक्तदान षिविर में कोई भी स्वस्थ्य व्यक्ति रक्तदान कर सकता है। हमारे समाज का प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति हर तीन-तीन महीने में नियमित रूप से रक्तदान करें तो देष में खून की कमी से किसी जरूरतमंद की जान नही जाएगी। साथ ही रक्तदान से षरीर में नए रक्त का संचार होता संस्था के पदाधिकारी अनुराधा नेताम ने बताया किसी जरूरतमंद के लिए रक्तदान करना मानवता की सच्चा सेवा है। इस बार रक्तदाता दिवस को खास बनानें के लिए महाविद्यालय की तरफ से रक्तदान षिविर में 25 विद्यार्थियों को जिसमें 18 छात्र / छात्राओं ने रक्तदान किया जिसमे 08 छात्र षामिल हुए । रक्तदान करने वाले विद्यार्थियों को सिविल सर्जन द्वारा प्रमाण पत्र दे कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने महाविद्यालय के षिक्षक गितांजली संगीता पाटले, गोपीचंद, वैषाली चंद्राकर छात्र संघ प्रमुख अरवींद पटेल, तरुणादेवांगन, ईषा, चम्पेषी, डोमेष्वरी, खिलेष्वरी, दिव्या, सतगोकुल पारस ,खोमप्रकाष, थनेन्द्र, प्रेम, धारणी आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

गोहरापदर में भाजपा का लाभार्थी सम्मेलन हुआ संपन्न,आमसभा में उमड़ीं हज़ारों की भीड़,सैंकड़ों पूर्व काँग्रेसी एवं आम नागरिकों ने थामा भाजपा दामन

संवाददाता हेमचंद नागेश

गोहरापदर भारतीय जनता पार्टी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 9 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित विधानसभा स्तरीय लाभार्थी सम्मेलन एवं आमसभा का कार्यक्रम भाजपा मंडल गोहरापदर के तत्वावधान में 14 जून,बुधवार को गोहरापदर के हाई स्कूल मैदान में संपन्न हुआ। बिंद्रानवागढ़ विधान सभा के अंतर्गत आने वाले छह मंडलों से हज़ारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं आम नागरिक इस कार्यक्रम में पहुँचे।कार्यक्रम में पहुँचे पूर्व कृषि मंत्री एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता चंद्रशेखर साहू ने आम सभा को संबोधित करते हुए कहा कि बीते 9 वर्षों से देश भर में गरीबों के उत्थान और देश के विकास के लिए नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार काम कर रही हैं,हमारे प्रधान सेवक प्रत्येक भारतीय को योजनाओं का लाभ पहुँचाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।आयुष्मान कार्ड के माध्यम से करोड़ों देशवासी अपने स्वास्थ्य की रक्षा के लिए पाँच लाख की राशि से इलाज करा पा रहे हैं।जन धन योजना से किसानों के खाते में पैसे पहुँचाने,कोरोना काल में देश के 80 करोड़ लोगों तक अन्न पहुँचाने, निःशुल्क कोरोना का टीका लगाने का कार्य केंद्र सरकार ने किया है,भारतीय जनता पार्टी की सरकार अंत्योदय के लक्ष्य के साथ काम कर रही है।सांसद चुन्नीलाल साहू ने जनसभा को सम्बोधित करते हुए कहा की सबका साथ,सबका विकास और सबके विश्वास के मूल मंत्र के साथ हमारे नेतृत्वकर्ता देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी राष्ट्र के लिए समर्पित भावना से निरंतर कार्य कर रहे हैं किसान सम्मान निधि के माध्यम से उन्होंने किसानों को 6 हज़ार रुपया प्रति वर्ष देकर उनका सम्मान बढ़ाया है ऐसे ही नेशनल हाईवे के माध्यम से आज पूरे देश भर में हज़ारों किलोमीटर की सड़कों का निर्माण हो रहा है अपने प्रथम पंचवर्षीय कार्यकाल के दौरान उन्होंने शौचालय का निर्माण करवाया और महिलाओं को उनका सम्मान दिलाया।पूर्व सांसद और भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चंदूलाल साहू ने कहा कि केंद्र सरकार ने बीते नौ वर्षों में गाँव गाँव गली गली विकास की बयार बहाई हैं, भाजपा सरकार ने हर व्यक्ति को पक्का छत दिलाने के लिए करोड़ों आवासों का निर्माण कराया लेकिन हमारे प्रदेश में बीते 4 वर्षों से किसी भी आवास का निर्माण नहीं हो सका था क्योंकि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने अपनी कुंठित सोच को दर्शाते हुए राज्यांश को नहीं दिया और इस योजना में बाधक बने परन्तु भाजपा के कार्यकर्ताओं ने मैदान में उतरकर आंदोलन किया और सरकार पर दबाव बनाया और आज पुनः प्रधानमंत्री आवास के लिए राशि आवंटित हुई है ग़रीब कल्याण के उद्देश्य से हमारे प्रधानमंत्री बीते 9 वर्षों से कार्य करते आ रहे हैं।धमतरी विधायक रंजना साहू ने आम सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हम आज भाजपा सरकार के ऐतिहासिक नौ वर्षों के जन कल्याणकारी योजनाओं की चर्चा के लिए यहाँ पहुँचे हैं लेकिन आने वाले छह महीने के बाद हमारे प्रदेश में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं और आज पूरा प्रदेश को कुशासन का दंश झेल रहा है बीते साढ़े 4 वर्षों में प्रदेश में महिलाओं से अपराध,लूट,डकैती,चोरी की घटनाओं में काफ़ी तेज़ी से वृद्धि आयी है प्रदेश की क़ानून व्यवस्था चरमरा चुकी है और इस बात का प्रदेश की जनता को ख़याल है,शराब बंदी का वादा करने वाली भूपेश सरकार आज न्याय में शराब के ठेके खुलवा रही है महिलाओं के साथ छल कर रही है और प्रदेश की जनता को विभिन्न माफ़ियाओं के माध्यम से नहीं लूटने का प्रयास कर रही है आप सभी संकल्प लें और विधानसभा के चुनाव में भूपेश बघेल की कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकें।कार्यक्रम को क्षेत्रीय विधायक डमरुधर पुजारी,पूर्व संसदीय सचिव गोवर्धन माँझी,ज़िलाध्यक्ष राजेश साहू,किसान मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य बोधनराम नायक ने सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री पुनीत राम सिन्हा ने किया एवं आभार व्यक्त जिला महामंत्री अनिल चंद्राकर ने किया।जिलाध्यक्ष योगीराज के नेतृत्व में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बाइक रैली से की अगुवाई-=भाजयुमो जिलाध्यक्ष योगीराज माखन कश्यप नेतृत्व में युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने ध्रुवागुडी से कार्यक्रम में पधारें अतिथि पूर्व कृषि मंत्री चंद्रशेखर साहू एवं पूर्व सांसद चंदूलाल साहू की अगवानी करते हैं हुए बाईक रैली के माध्यम से कार्यक्रम स्थल तक स्वागत किया।

सैकड़ों की संख्या में पूर्व कांग्रेसी एवं आम नागरिको ने थामा कमल का हाथ: भारतीय जनता पार्टी मंडल गोहरापदर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों से सैकड़ों की संख्या में आम नागरिकों एवं पूर्व कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की पार्टी के दिग्गज नेताओं ने पार्टी का गमछा पहनाकर सभी का स्वागत किया।कार्यक्रम में प्रमुख रूप से अजजा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष भागीरथी मांझी,कार्यसमिति सदस्य रामरतन मांझी,हलमन ध्रुवा,मंगधा यादव के प्रदेश अध्यक्ष केनुराम यादव, जनपद अध्यक्ष नुरमति मांझी,तोकेश्वरी मांझी,जिला उपाध्यक्ष कुंजबिहारी बेहरा, योगेश शर्मा,भाजयुमो जिलाध्यक्ष योगीराज माखन कश्यप,पि व मोर्चा जिलाध्यक्ष देशबंधु नायक, अजजा मोर्चा जिलाध्यक्ष रितुराज शाह,अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष चन्द्रशेखर सोनवानी,महिला मोर्चा जिला महामंत्री शीतला पांडेय,मंडल अध्यक्ष गण गुरुनारायण तिवारी, सीताराम यादव,लुद्रास साहू, दुलार सिन्हा,सुरेन्द्र सोनटेके,तानसिंह मांझी, मोहित यादव,गणेश यादव, अरविंद सोम,महेंद्र निधी,धनंजय नेताम,रामस्वरूप साहू, संजय दुबे,शोभित राम ध्रुवा,हेमराज माँझी,हरिशंकर माँझी,दुष्यंत पात्र,दीपक सागर सहित कार्यकर्ता एवं आमजनता उपस्थित रहे

जिला स्तरीय बाल संवाद आयोजित

दैनिक पुष्पांजली टुडे

दतिया। जिले में बालश्रम के प्रति समुदाय को संवेदनशील बनाने व जिला कार्ययोजना तैयार करने हेतु बाल श्रम उन्मूलन अभियान मध्यप्रदेश के निर्देशन में स्वदेश ग्रामोत्थान समिति दतिया के तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय बाल श्रम निषेध दिवस/ सप्ताह-2023 के अवसर पर जिला स्तरीय बाल संवाद कार्यक्रम आयोजित किशोर न्याय बोर्ड/ सीडब्ल्यूसी के सभागार में आयोजित किया गया। जिला स्तरीय बाल संवाद कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रम पदाधिकारी श्रीमती निशा जहाँ एवं उत्तम सिंह कौरव अध्यक्ष बाल कल्याण समिति दतिया संयुक्त रूप से रहे। विशिष्ट अतिथि सदस्य बाल कल्याण समिति श्रीमती रश्मि कटारे, भगवान सिंह कुशवाहा, एडवोकेट कल्पना राजे बैस, मनीषा गुप्ता के साथ ही आईसीपीएस से बाल संरक्षण अधिकारी धीरसिंह कुशवाहा, बृजेंद्र कौरव, परिवीक्षा अधिकारी कुश मिश्रा, सोशल वर्कर मनीष शर्मा, आकाश श्रीवास्तव एसजेपीयू से अरविंद सिंह रावत, चाइल्ड लाइन के कॉर्डिनेटर सोमेश कुमार सिंह व उनकी टीम, जिला बाल संरक्षण समिति सदस्य रामजीशरण राय, बृजेंद्र कुमार, पीयूष राय, अशोककुमार शाक्य,

बलवीर पांचाल, आयुष राय, मोहनी परिहार, प्रीति शिवहरे सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित रहे।मुख्य अतिथि श्रीमती निशा जहाँ ने बाल श्रम की सूचना देने वालों को सम्मानित करने की बात कही। वहीं श्री उत्तम सिंह कौरव ने बाल हितैषी वातावरण निर्मित करने की बात कही। आयोजित बाल संवाद में बाल श्रम उन्मूलन अभियान मध्य प्रदेश (सीएसीएल) के द्वारा कराए गए सर्वेक्षण की रिपोर्ट अभियान संयोजक व डीसीपीसी सदस्य रामजीशरण राय द्वारा उपस्थित विभागीय अधिकारियों/ कर्मचारियों स्टेकहोल्डर्स के समक्ष साँझा की गई। श्री सोमेश सिंह ने मीडिया विभिन्न प्लेटफॉर्म के माध्यम, सोशल मीडिया माध्यम से सतत बाल श्रम को रोकने हेतु सन्देशों को प्रसारित करना। ताकि मुद्दे के प्रति समुदाय जागरूक हो सके। आयोजित जिला स्तरीय संवाद श्रम निरीक्षक एवं जिला बाल श्रम नोडल अधिकारी श्रीमती निशा जहां ने बाल श्रम उन्मूलन हेतु जिले में जागरूकता गतिविधियों के संचालन की सहमति बनीं साथ ही आगामी कार्ययोजना तय की गई। जिसमें समय-समय पर जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में डीटीएफ व निरीक्षण दल द्वारा निरीक्षण कर नियोक्ताओं के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही को अंजाम दिया जावेगा। साथ ही परिजनों का प्रभावी परामर्श किया जावेगा। अभियान को प्रभावी व व्यापक बनाने हेतु सोशल मीडिया, प्रिंट मीडिया व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का सहयोग लिया जावेगा।

मानवाधिकार सुरक्षा संघ ने टी- शर्ट वितरित की

खरगोन जिले

मुन्ना खान पुष्पांजली टुडे

खरगोन -दिव्यांग सहायता समारोह में आयोजित जो दिव्यांग शेष रह गए थे उन दिव्यांग जनों को टी - शर्ट नगरपालिका के स्वास्थ अधिकारी प्रकाश चित्ते संगठन के प्रदेशाध्यक्ष सतीश गांगले जिलाध्यक्ष कमल कुमार गांगले, अजय भालसे, गौतम गांगले आदि के द्वारा वितरित की गई।साथ मे दिव्यांग के जिलाध्यक्ष ललित चावला, कॉन्ग्रेस दिव्यांग के अध्यक्ष चंदू सिसोदिया, मनोज कोचले आदि उपस्थित रहे, जिलाध्यक्ष कमल कुमार गांगले ने बताया कि समाज मे दिव्यांगो के प्रति गलत विचारधारा है मानवाधिकार सुरक्षा संघ उस गलत विचारधारा को बदलने के लिए येसे कार्यक्रम आयोजित करते रहते है, जिससे कि दिव्यांग जनों के जीवन में निराशा के भाव ना आए एवम् उनका भविष्य उज्जवल बना रहे।

बाईपास रोड पर खड़े ट्रैक्टर ट्राली को कैप्सूल वाहन ने मारी पीछे से टक्कर एक घायल

इंदौर खरगोन मुख्य मार्ग के ग्राम के बाईपास रोड पर कोयले से भरे खड़े ट्रैक्टर ट्राली को बालसमुद से कसरावद की ओर जा रहे कैप्सूल वाहन ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी जिससे ट्रैक्टर पूरी तरह से पलटी खा गया साथ ही कोयला सड़क पर बिखर गया,जानकारी के अनुसार कैपशूल वाहन तेज रफ्तार से कसरावद की ओर जा रहा था इस दौरान कोयले से भरा ट्रेक्टर सड़क की साइट से खड़ा था जिसे पीछे से टक्कर मार दी जिसमे ट्रेक्टर में सवार भूपेंद्र पिता दिनेश प्रजापत उम्र 22 वर्ष निवासी बालसमुद घायल हुए जिसे ऐम्बुलेंस की सहायता से कसरावद अस्पताल भेजा गया जहां से प्राथमिक उपचार के बाद परिजन धामनोद ले कर गए,वही पुलिस ने मौके पर पहुँचकर यातायात चालू करवाया गया।

रेल प्रशासन द्वारा भिण्ड स्टेशन पर रियायती प्रमाण पत्र सहायता कैंप

प्रत्येक माह 14 एवं 28 तारीख को

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मंडल रेल प्रशासन द्वारा सूचित किया गया है, कि भिंड क्षेत्र के दिव्यांगजनों को रेल रियायत कार्ड प्राप्त करने में सहूलियत प्रदान करने के उद्देश्य से भिंड स्टेशन पर माह में दो दिन सहायता कैंप लगाया जा रहा है ।इस शिविर के अंतर्गत दिव्यांगजन प्रत्येक माह की 14 तारीख एवं 28 तारीख को समय 10 बजे से 4 बजे के मध्य भिंड स्टेशन पर रेल रियायत प्राप्त करने हेतु अपने दस्तावेज जमा कर सकते हैं, तथा नया रियायत कार्ड, कार्ड रिन्यूअल आदि सेवाएं शिविर से ही प्राप्त कर सकते हैं 7

रियायती प्रमाण पत्र हेतु आवश्यक दस्तावेज

1. जिला अस्पताल निशक्तता प्रमाण पत्र ।
2. जिला अस्पताल द्वारा जारी रियायती प्रमाण पत्र।
3. जन्म तिथि प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, हाई स्कूल मार्कशीट, पैन कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, निवेदन फॉर्म
4. फोटो (दो नग), दस्तावेजों पर दिव्यांग के स्वयं के हस्ताक्षर सहित।

दिव्यांग जनों के लिए प्रत्येक माह की 14 तारीख एवं 28 तारीख को 10 बजे से 4 बजे के मध्य तक भिंड स्टेशन पर उपस्थित होकर रियायती प्रमाण पत्र के दस्तावेज जमा करा सकते हैं।

नल जल योजना सिर्फ कागजों में धरातल पर जीरो : नयन सिंह राजावत

कांग्रेस ने प्रेसवार्ता कर प्रशासन और भाजपा सरकार को घेरा

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कांग्रेस के सामाजिक प्रकोष्ठ के प्रदेश महासचिव नयन सिंह राजावत बाराकला के द्वारा विधानसभा क्षेत्र के समस्याओं को लेकर प्रेस वार्ता की गई जिसमें कांग्रेस प्रवक्ता डा.अनिल भारद्वाज,कांग्रेस के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष रामकिशोर भारद्वाज,जिला संगठन मंत्री इरशाद अहमद विशेष रूप से उपस्थित रहे। कांग्रेस नेता नयन सिंह ने कहा भिंड के ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली की समस्या बडी विकराल रूप ले रही है। पांडरी, नयागांव, लहरोली तीनो सब स्टेशन पर लगभग एक सैकड़ा गांव प्रभावित हो रहे हैं। इनकी सप्लाई रौन से हटाकर भिण्ड से शुरू की जाए। 33 केवी लाइन पुरानी जर्जर हो चुकी है। श्री कुशवाह ने नल जल योजना ग्रामीण क्षेत्र में एक भी जगह शुरू नहीं हुई जबकि कागजों में शुरू होने की औपचारिकता पूरी की जा रही है। उन्होंने पुलिस को घेरते हुए कहा कि भिंड में कानून व्यवस्था पूरी तरह से चौपट हो गई है उमरी में लगातार दो मर्डर हो गए लूट के मामले बढ़ रहे हैं। पुलिस अपराधियों को चिन्हित नहीं कर पाई । वरिष्ठ नेता राम किशोर भारद्वाज ने कहा भिंड का व्यापारी दहशत में है सदर बाजार भिंड में कई व्यापारियों के साथ लूट बागोरी गोलीबारी की घटना हो चुकी है पुलिस का खौफ नहीं है। कांग्रेस के जिला संगठन मंत्री इरशाद अहमद ने गौरी सरोवर से मीट मंडी हटाने की मांग की साथ ही उन्होंने गौरी सरोवर के चारो और बाउंड्री वॉल बनाने की मांग रखी। प्रेसवार्ता में कांग्रेस प्रवक्ता डॉ.अनिल भारद्वाज ने जिला प्रशासन व शिक्षा विभाग के अधिकारियों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि शिक्षा विभाग में छात्रवृत्ति घोटाला जो हुआ है,उस पर अभी तक भिंड कलेक्टर कार्रवाई नहीं कर पाए,आखिर शिक्षा माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही क्यों नहीं कर पा रहे ? उन्होंने कहा शिक्षा विभाग में फर्जी फर्मों में फर्नीचर के नाम पर करोड़ों रुपए का भुगतान कर दिया गया कांग्रेस प्रवक्ता डॉ अनिल भारद्वाज बोले कि यदि जिलाधीश भिंड तीन दिन के अंदर कार्रवाई नहीं करते हैं,तो फिर कांग्रेस आंदोलन करेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता डॉ. अनिल भारद्वाज ने भाजपा सरकार पर हमला बोलते हुए कहा भिण्ड का व्यापारी आज दहशत में हैं। सदर बाजार में कई गोलाबारी,चोरी लूट की घटना घटित हो रही है। उमरी में मर्डर का खुलाशा नही कर पाई। अफसोस कोई भाजपा नेता का एक बयान तक नही आया। अपराधियों के हौसले बुलंद हैं। और पुलिस अपराध रोकने मे नाकाम साबित हुई है।

कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने जनसंपर्क कर नारी सम्मान योजना के फार्म भरवाये

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष कमलनाथ द्वारा चलाए जा रहे,नारी सम्मान योजना अभियान के तहत भिंड शहर में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता जिलेभर में अलग-अलग समूह बनाकर घर घर जा कर नारी सम्मान योजना के फार्म भरवा रहे है, और कांग्रेस की नीतियों के बारे में जनता को जानकारी दे रहे हैं,इसी क्रम में पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष रामकिशोर भारद्वाज एडवोकेट, जिला संगठन मंत्री इरशाद अहमद ने बताया कि हर महिला के खाते में 1500 रुपये आएंगे और 500 रुपये में सिलेंडर मिलेगा। जनसंपर्क एवं फार्म भरवाने में वरिष्ठ नेता रामकिशोर भारद्वाज एड., जिला संगठन मंत्री इरशाद अहमद,श्रीमती सीमा शर्मा, रहमान खान पप्पू ,सुनील शर्मा,शाहिद खान गुड्डू ,नीलम श्रीवास्तव, शिमला शर्मा, उषा ढाकरे ,शांति देवी सभी लोग भिंड शहर में जनसंपर्क अभियान में कमलनाथ द्वारा जो वचन पत्र पार्टी के तरफ से बनाया गया है। वह महिलाओं को घर घर जाकर समझा रही हैं।

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के संबंध में समस्त आहरण संवितरण अधिकारियों का प्रशिक्षण आज

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । जिला पेंशन अधिकारी के बाथम ने बताया कि शासकीय सेवको की सेवानिवृति तिथि के पूर्व में आईएफएमआईएस से शासकीय सेवको को स्वयं के लॉगिग से आईएफएमआईएस के ईएसएस मॉड्यूल में पेंशन फार्म भरने एवं पेंशन प्रकरण ऑनलाईन / ऑफ लाईन प्रस्तुत किये जाने हेतु समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को प्रशिक्षण 15 जून 2023 को आयोजित किया गया है। प्रशिक्षण में आहरण संवितरण अधिकारी/ कार्यालय प्रमुख स्वयं एवं संबंधित पेंशन प्रकरणों का कार्य करने वाले लिपिक तथा कार्यालय में आगामी 6 माह में सेवानिवृत्त होने वाले शासकीय सेवको के साथ ई- दक्ष केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त करना सुनिश्चित करें।उन्होंने कहा कि 15 जून 2023 को बीईओ मेहगांव, जनपद मेहगांव, उप जेल मेहगांव, उप जेल भिण्ड एवं पुलिस अधीक्षक को दोपहर 2 बजे से अपरान्ह 3 बजे तक, बीईओ लहार एवं रौन, जनपद लहार एवं रौन, लहार नहर संभाग लहार, आलमपुर महाविद्यालय, भू अभिलेख, सहायक संचालक उद्यान, एनसीसी भिण्ड, कुटुम्ब न्यायालय भिण्ड, डाईट भिण्ड एवं महिला एवं बाल विकास को अपरान्ह 3 बजे से 4 बजे तक, 17 वी वाहिनी भिण्ड, जिला पंजीयक, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, लोक निर्माण विभाग भिण्ड को अपरान्ह 4 बजे से सायं 5 बजे तक प्रशिक्षण दिया जाएगा।

निपल गांव में आई माता मंदिर निर्माण के लिए नई कार्यकारिणी का गठन

पुष्पाजंली टुडे

पुणे। आई माताज़ी मंदिर निगड़ी में सीरवी समाज के बदुओं ने बुधवार को मीटिंग रखी गई। मिटींग के पूर्व आईमाती की आरती की गई। उसके बाद आम सभा का शुभारंभ हुआ। सभा में नवनिर्मित आईमाता मंदिर गांव निपल में मंदिर के निर्माण के लिए नई कार्यकारिणी का गठन किया गया । जिसमें सभी कार्यकारिणी सदस्यो ने सर्वसहमति से आईमाता बडेर निर्माण व निव का शुभ मुहूर्त 29 जून को विधि-विधान से किया जाएगा। इस कार्यक्रम में नई कार्यकारिणी गठन किया गया ।जिसमें अध्यक्ष पन्नालाल काग उपाध्यक्ष विरमराम काग सचिव हेमाराम काग सह-सचिव दीपाराम काग कोषाध्यक्ष जगाराम काग सह-कोषाध्यक्ष रतनलाल काग सलाहकार कानाराम काग पुखराज सेप्टा अचलाराम काग एवं कार्यकारिणी सदस्य कुपाराम काग मोहनलाल काग को चुना गया । इस अवसर पर रूपाराम काग, लालचंद काग, अमराराम काग, पकाराम काग, सुरेश काग, कानाराम काग,महेंद्र काग सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। ये जानकारी स्मार्ट बाजार के प्रमुख शंकर लाल काग द्वारा दी गई।

पुलिस द्वारा चलाया जा रहा है,मै हूं अभिमन्यु अभियान

पंकज त्रिपाठी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस मुख्यालय भोपाल के निर्देशानुसार,पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री , एवम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमलेश कुमार खरपुसे के मार्गदर्शन में दिनांक 12/06/2023 से 19/06/2023 तक के लिए महिलाओं एवं बच्चो के विरुद्ध होने वाले अपराधो के संबंध में जागरूकता, महिलाओं को सुरक्षित एवम पूर्वाग्रह मुक्त सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने में पुरुषो का सहयोग सुनिश्चित करने हेतु शुरू हुए विशेष जागरूकता अभियान ÷ मैं हूं अभिमन्यु÷ का शुभारंभ जिला भिंड में किया गया ,इस क्रम में दिनांक 14/06/2023 को सदर बाजार जिला भिंड में नगर पुलिस अधीक्षक सुश्री निशा रेड्डी ,उप पुलिस अधीक्षक महिला सुरक्षा शाखा जिला भिंड श्रीमती पूनम थापा शर्मा के नेतृत्व में ऑटो चालकों, टमटम चालकों ,बच्चो एव उनको परिजनों को महिला एवम बच्चो के विरुद्ध होने वाले अपराधो के प्रति जागरूकता , महिला हेल्पलाइन नंबर 1090, डायल 100, चाइल्ड लाइन नंबर आदि का प्रचार प्रसार किया,एवम समस्त उपस्थित लोगों को अभिमन्यु अभियान के अंतर्गत शपथ दिलवाई गई, साथ ही अभियान के दौरान जारी किए गए स्टिकर्स, पोस्टर्स को पान की दुकानों, होटलों, रेस्टोरेंट में ऑटो ,टमटम, बस, जैसे प्राइवेट वाहनों में अभिमन्यु का लोगो के स्टिकर्स चिपकाए गए , एवम समस्त चालकों , होटल मालिकों को आसपास घटित होने वाले अपराधो के बारे तत्काल पुलिस को सूचना देने को कहा गया एवं अभिमन्यु का शेल्फी कट आऊट प्वाइंट लगाया गया,अभिमन्यु अभियान के बारे में जानकारी दी गई।समस्त कार्यवाही में महिला थाने,यातायात थाना ,कोतवाली थाना का स्टाफ एव निर्भया मोबाइल साथ में रहे।

बजरंग बाबा का भंडारा: मुख्यमंत्री के गृह जिले में छुआछूत का दंश

दलितों का आरोप :भोजन प्रसादी के लिए सवर्णों का अलग टेंट और दलितों का अलग टेंट,बोले हमें मंदिर में भी नहीं जाने देते हैं

रघुवर दयाल गोहिया

सीहोर। इसे विडंबना ही कहा जायेगा कि आड़ादी के 75 साल बाद भी हमारा मध्यप्रदेश और मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान का गृह जिला अभी भी छुआछूत का दंश झेल रहा है। दलित और सवर्णों के बीच इस तरह की घटनाएं अक्सर देखने सुनने को मिल रही हैं। खासतौर से जिले की सुरक्षित विधानसभा सीट आष्टा में सवर्णों व दलित समाज के बीच यह विवाद अधिक हो रहे हैं। करीब एक माह पहले मालवीय समाज के एक विवाह समारोह में आष्टा तहसील के एक गांव में दूल्हे की बारात नहीं निकलने

दी गई थी।इसके पहले मंदसौर जिले में भी एक बीएसएफ के जवान की बारात दबंगों ने नहीं निकलने दी थी। यह जवान दलित समाज का था। बारातियों के साथ भी मारपीट की गई थी। दूसरे दिन पुलिस संरक्षण में बारात निकाली गई थी। इसके बाद अब इछावर विधानसभा क्षेत्र के अमलाहा ग्राम में एक धार्मिक आयोजन के दौरान आयोजित भंडारा कार्यक्रम में दलित समाज के लिए अलग और सवर्ण समाज के लिये अलग टेंट लगाया गया था जिसमें भोजन प्रसादी का वितरण किया गया।इन घटनाओं से साफ जाहिर होता है कि तमाम सरकारी और गैर सरकारी प्रयास असफल साबित हो रहे हैं।मंगलवार को जिले के अमलाहा में जातिवाद और छुआछूत का मामला सामने आया है। यहां मंदिर पर चल रहे भंडारे में दलितों और सवर्णों के लिए अलग-अलग टेंट लगाया गया। उनमें उन्हीं समाज के लोगों को बैठाकर भोजन प्रसादी दी गई। ऐसे में दलितों ने इस पर आपत्ति भी जताई लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। दलितों का कहना है कि भंडारे में हमें भी बराबरी से बैठाकर प्रसादी मिलना चाहिए। दलितों ने यह भी आरोप लगाया है कि सवर्ण वर्ग उन्हें मंदिर में भी नहीं जाने देते हैं। जब इस मामले की खबर अमलाहा पुलिस को लगी तो वह भी मौके पर पहुंच गई थी। अमलाहा चौकी प्रभारी अविनाश भोपले का कहना है

कि वहां टेंट तो अनके लगे हैं, लेकिन छुआछूत जैसी कोई बात सामने नहीं आई है। अमलाहा गांव में पिछले कई सालों से हनुमान मंदिर पर भंडारा आयोजित किया जाता रहा है। इस भंडारे में अलग-अलग टेंट लगाकर लोगों को भोजन प्रसादी वितरित की जाती है। मंगलवार को भी यहां भंडारा आयोजित किया गया। भोजन प्रसादी के लिए यहां अलग-अलग टेंट लगाए गए हैं। जिनमें श्रद्धालुओं को प्रसादी वितरित की जा रही है। इस बीच कुछ लोगों ने आरोप लगाए कि यहां सवर्णों के लिए अलग और दलितों के लिए अलग-अलग टेंट लगाए गए हैं। गांव के जीवन सिंह मालवीय ने बताया कि जो भंडारा हो रहा है उसमें दलित वर्ग के लोगों को अलग टेंट में बैठाकर प्रसादी दी जा रही है, जबकि सवर्णों को अलग टेंट में बैठाकर प्रसादी दी जा रही है। यहां जातिवाद और छुआछूत का माहौल फैलाया जा रहा है। प्रसादी परोस रहे देव सिंह मालवीय से जब पूछा गया कि दूसरे टेंट में कौन लोग हैं तो उन्होंने बताया कि वहां सब बड़े लोग हैं और इधर जहां वे खुद परोसदारी कर रहे हैं वहां सब मालवीय समाज के लोग बैठे प्रसादी ले रहे हैं। **भंडारे के लिए नहीं लेते सहयोग** -जीवन सिंह ने कहा कि जब हमने कहा कि यह गलत हो रहा है तो किसी भी जिम्मेदार ने कोई जवाब नहीं दिया। उन्होंने बताया कि हम भंडारे के लिए सहयोग भी नहीं दे पाते हैं। आयोजकों का कहना होता है कि यदि हम आपसे सहयोग राशि या सामग्री लेंगे तो यह भंडारे का अपमान होगा। उन्होंने यह भी कहा कि हमें मंदिर में भी प्रवेश नहीं दिया जाता है। यदि प्रसाद लेकर भी जाते हैं तो पहली सीड़ी पर ही खड़े होकर पंडितजी को देना होती है।हमारे देश का संविधान सभी नागरिकों और धर्मावलंबियों को समरसता के साथ अपने धर्म का पालन करने का अधिकार देता है। अमलाहा के धार्मिक आयोजन के बारे में भी यही कहना चाहूंगा कि हम सभी सनातन धर्म का पालन करने वाले लोगों को आपसी सद्भाव और समरसता का परिचय देना चाहिए। यही हमारे देश और प्रदेश को शक्तिशाली बनाएगी।

- इंजी. गोपाल सिंह

अध्यक्ष, जिला पंचायत, सीहोर

सम्पादक की कलम से

कनाडा की जवाबदेही

यूं तो कनाडा की धरती से भारत विरोधी गतिविधियों की खबरें अक्सर आती रहती हैं लेकिन बीते सप्ताह पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या की झांकी निकालने की घटना ने सभी हदें पार कर दी। जो बताती है कि कनाडा में भारत विरोधी पृथकतावादियों के हौसले कितने बुलंद हैं और उन्हें सत्ता में शामिल लोगों का संरक्षण मिला हुआ है। चार जून को हुई इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद हर भारतीय राष्ट्रवादी उद्वेलित हुआ है। जिसके चलते भारत सरकार ने भी घटना का कड़ा प्रतिवाद किया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कड़े शब्दों में कहा है कि ये घटना न तो भारत-कनाडा संबंधों के लिये और न ही कनाडा के लिये ठीक है। यूं तो कहने के लिये भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैमरन मैक ने इस घटना की निंदा की है, और कहा है कि उनके देश में हिंसा व नफरत के महिमामंडन के लिये कोई स्थान नहीं है। लेकिन वहीं कनाडा सरकार के एक मंत्री ने भारत पर उसके अंदरूनी मामलों में दखल देने का कुतर्क दोहराया है। दरअसल, कनाडा को समझ नहीं आ रहा है कि चरमपंथ, पृथकतावाद और हिंसा की तपिश का ताप देर-सवेर उसे भी महसूस करना पड़ेगा। दुनिया के कई देशों ने ऐसे कृत्यों को संरक्षण की कालांतर कीमत चुकायी है। इस बात का अहसास कनाडा के हुक्मरानों को जितनी जल्दी हो सके, अच्छा है। दरअसल, कनाडा में अलगाववादियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि कभी वे पृथक देश के मुद्दे पर जनमत संग्रह की बात करते हैं, कभी भारतीय उच्चायोग को घेरते हैं, भारतीयों पर हमले करते तो कभी मंदिरों को निशाना बनाते हैं। जिसको देखकर भी कनाडा सरकार चुप्पी साध लेती है। दरअसल, अलगाववादी उस स्याह सच पर पर्दा डालने की कोशिश कर रहे हैं जिसकी बड़ी कीमत पंजाब ने चुकायी है। बड़ी कुर्बानी देकर पंजाब आज शांत माहौल में प्रगति के नये आयाम स्थापित कर रहा है। निस्संदेह, ऐसा भी नहीं है कि कनाडा में रहने वाले सारे भारतीय मूल के लोग अलगाववाद के पक्षधर हैं। आज कनाडा विकास के जो नये मानक स्थापित कर रहा है उसमें पंजाब के लोगों का बड़ा योगदान है। लेकिन सकारात्मकता और नकारात्मकता के बीच स्पष्ट विभाजन जरूरी है। विडंबना यह है कि वोट बैंक की पॉलिटिक्स के चलते कनाडा सरकार चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई करने से गुरेज कर रही है। दरअसल, पंजाब मूल के लोगों के वर्चस्व वाले एक राजनीतिक दल का ट्रूडो सरकार की बैशाखी होना भी इस तरह की घटनाओं के प्रति वहां सरकार की अनदेखी की एक वजह है। इस दल में भी अलगाववादियों का दबदबा बताया जाता है। जाहिर है जब तक भारत कनाडा सरकार पर कूटनीतिक दबाव नहीं बनायेगा तब तक इन बेलगाम हरकतों पर काबू पाना मुश्किल होगा, तब तक ब्रैंपटन शहर जैसी परेड की घटनाएं दोहरायी जाती रहेंगी।

मासूमों की कब्रगाह बनते खुले बोरवेल

मध्य प्रदेश के सीहोर में 300 फुट गहरे बोरवेल में गिरी ढाई साल की बच्ची सृष्टि आखिरकार 55 घंटे की जद्दोजहद के बाद जिंदगी की जंग हार गई। 6 जून की दोपहर एक बजे वह खेलते समय खेत में बने बोरवेल में गिर गई थी। हालांकि बच्ची को बोरवेल से सुरक्षित बाहर निकालने के लिए सेना, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ और स्थानीय प्रशासन की टीमें निरन्तर अभियान में जुटी थीं, लेकिन उसे बोरवेल से निकालने का काम तब और कठिन हो गया था, जब वह 20 फुट की गहराई से फिसलकर बोरवेल में करीब 100 फुट नीचे चली गई थी। उसके बाद उसे बचाने के लिए रोबोटिक एक्सपर्ट की टीम की मदद ली गई, जिसने 8 जून की शाम को बच्ची को बाहर निकाल तो लिया लेकिन उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। इस दर्दनाक हादसे से चंद दिन पहले 4 जून को गुजरात के जामनगर जिले में भी दो साल की एक बच्ची की 200 फुट गहरे बोरवेल में गिरकर मौत हो गई थी। बोरवेल में 20 फुट की गहराई पर फंसी उस मासूम को भी 19 घंटे के बचाव अभियान के बाद भी बचाने में सफलता नहीं मिली थी। 20 मई को जयपुर के भोजपुरा गांव में भी 9 साल का एक बच्चा 200 फुट गहरे बोरवेल में गिरकर 70 फुट की गहराई पर फंस गया था, लेकिन उसे कुछ घंटों की मशक्कत के बाद बचा लिया गया था। इसी साल 15 मार्च को मध्य प्रदेश में विदिशा जिले के लटेरी गांव में 7 साल के लोकेश की भी बोरवेल में गिरने से मौत हो गई थी। बीते कुछ ही वर्षों में बोरवेल के ऐसे अनेक दर्दनाक हादसे सामने आ चुके हैं, जिनमें कई मासूम दर्दनाक मौत की नींद सो चुके हैं। विडम्बना है कि ऐसे हादसों को रोकने के लिए समाज में कहीं कोई जागरूकता नजर नहीं आती। नेशनल डिजास्टर रिस्पांस फोर्स यानी एनडीआरएफ की एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ वर्षों में कई बच्चे बोरवेल में गिर चुके हैं लेकिन उन्हें बचाने में करीब 70 फीसदी रेस्क्यू ऑपरेशन नाकाम रहे हैं। निरन्तर होते ऐसे हादसों को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि मासूम बच्चों की समाधि बनते इन बोरवेल हादसों के प्रति समाज से लेकर पूरा सिस्टम आखिर कब गंभीर होगा? एनडीआरएफ के मुताबिक बोरवेल उपयोग के मामले में भारत पूरी दुनिया में नंबर 1 पर है और बोरवेल से जुड़े अधिसंख्य हादसों में छोटे बच्चे ही शिकार बनते हैं, जिनमें से महज 30 प्रतिशत बच्चों के ही सुरक्षित बाहर निकाले जाने की संभावना होती है। बोरवेल में गिरने के करीब 92 प्रतिशत मामलों में 10 वर्ष से कम आयु के बच्चे ही होते हैं। भूगर्भ जल विभाग के अनुमान के अनुसार देशभर में करीब 2.7 करोड़ बोरवेल हैं लेकिन सक्रिय बोरवेल की संख्या, अनुपयोगी बोरवेल की संख्या और उनके मालिक का राष्ट्रीय स्तर पर कोई डाटाबेस नहीं है। चिंता की बात यह है कि सुप्रीम कोर्ट की सख्त टिप्पणियों के बावजूद सिस्टम भी ऐसे हादसों को लेकर गंभीर नहीं है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों, कानूनी संशोधनों और तमाम सख्ती के बावजूद ऐसे हादसे रुक नहीं रहे। बोरवेल खुदाई को लेकर अलग-अलग राज्यों के हाईकोर्ट के भी कई निर्देश हैं और इस संबंध में सुप्रीम कोर्ट कह चुका है कि नियमों का पालन कराने की जिम्मेदारी कलेक्टर की होगी, जो सुनिश्चित करेंगे कि केन्द्रीय या राज्य की एजेंसी द्वारा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी मार्गदर्शिका का सही तरीके से पालन हो। तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश एसएच कपाड़िया, जस्टिस राधाकृष्णन और जस्टिस स्वतंत्र कुमार की सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ ने बच्चों को गंभीर बोरवेल हादसों से बचाने के लिए एक रिट पटीशन पर सुनवाई कर 6 अगस्त, 2010 को एक आदेश पारित किया था और उसी समय से यह फैसला देशभर में लागू है लेकिन इसका सही तरीके से पालन कराया जाना आज तक सुनिश्चित नहीं किया गया है। विडम्बना है कि सुप्रीम कोर्ट के सख्त दिशा-निर्देशों के बावजूद कभी ऐसे प्रयास होते नहीं दिखे, जिससे ऐसे मामलों पर अंकुश लग सके। सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार बोरवेल की खुदाई से पहले कलेक्टर अथवा ग्राम पंचायत को लिखित सूचना देनी होगी। खुदाई करने वाली सरकारी, अर्द्धसरकारी संस्था या ठेकेदार का पंजीयन होना चाहिए। बोरवेल खुदवाने के कम से कम 15 दिन पहले डीएम, ग्राउंड वाटर डिपार्टमेंट, स्वास्थ्य विभाग और नगर निगम को सूचना देना अनिवार्य है। बोरवेल की खुदाई वाले स्थान पर साइन बोर्ड लगाया जाना चाहिए और खुदाई के दौरान आसपास कंटीले तारों की फेंसिंग की जानी चाहिए तथा फेंसिंग पाइप के चारों ओर सीमेंट अथवा कंक्रीट का 0.3 मीटर ऊंचा प्लेटफार्म बनाना चाहिए। बोरवेल के मुहाने पर स्टील की प्लेट वेल्ड की जाएगी या उसे नट-बोल्ट से अच्छी तरह कसना होगा। बोरवेल की खुदाई पूरी होने के बाद खोदे गए गड्ढे और पानी वाले मार्ग को समतल किया जाएगा। खुदाई अधूरी छोड़ने पर मिट्टी, रेत, बजरी, बोल्डर से बोरवेल को जमीन की सतह तक भरा जाना चाहिए। अदालत के इन दिशा-निर्देशों का पालन कहीं होता नहीं दिख रहा और न ही नियमों का पालन नहीं करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई होती दिखती है। देश में प्रतिवर्ष औसतन 50 बच्चे बेकार पड़े खुले बोरवेलों में गिर जाते हैं, जिनमें से बहुत से बच्चे इन्हीं बोरवेलों में जिंदगी की अंतिम सांसें लेते हैं। ऐसे हादसे हर बार किसी परिवार को जीवनभर का असहनीय दुख देने के साथ-साथ समाज को भी बुरी तरह झकझोर जाते हैं। वहीं रेस्क्यू ऑपरेशनों पर अथाह धन, समय और श्रम भी नष्ट होता है। वैसे बोरवेल हादसों में बच्चों को बचाने में अक्सर सेना-एनडीआरएफ की बड़ी विफलताओं को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं कि अंतरिक्ष तक में अपनी धाक जमाने में सफल हो रहे भारत के पास चीन तथा कुछ अन्य देशों जैसी वे स्वचालित तकनीकें क्यों नहीं हैं, जिनका इस्तेमाल कर ऐसे मामलों में बच्चों को अपेक्षाकृत काफी जल्दी बोरवेल से बाहर निकालने में मदद मिल सके। वहीं मासूम बचपन को बचाने के लिए समाज में जागरूकता लानी होगी ताकि भविष्य में ऐसे दर्दनाक हादसों की पुनरावृत्ति न हो।

कांग्रेस लौटी धर्मनिरपेक्षता के एजेंडे में!

अजीत द्विवेदीकांग्रेस पार्टी धर्मनिरपेक्षता के मसले पर दुविधा में थी। आजादी के बाद से वह जिस किस्म की धर्मनिरपेक्षता की प्रैक्टिस कर रही थी उसे लेकर वह संशय में थी। 2014 के लोकसभा चुनाव में करारी हार के बाद उसका विश्लेषण करने के लिए एके एंटनी की अध्यक्षता में जो कमेटी बनी थी उसकी रिपोर्ट ने कांग्रेस को बदलने का रास्ता दिखाया था। एंटनी कमेटी ने कहा था कि कांग्रेस का मुस्लिमपरस्त दिखना या उस रूप में ब्रांड होना पार्टी के लिए घातक हो गया। उसके बाद ही राहुल को मोदी और कांग्रेस को भाजपा बनाने का अभियान शुरू हुआ था। कांग्रेस का एक धड़ा नरम हिंदुत्व की राजनीति बहुत दिन से करता रहा है। आज के समय में कांग्रेस के सबसे कट्टर धर्मनिरपेक्ष नेता भी 2002 के गुजरात दंगों के बाद हुए चुनाव में भाजपा को मिली जीत के बाद 2003 के विधानसभा चुनाव में मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में नरम हिंदुत्व की राजनीति करने के पैरोकार थे। कह सकते हैं कि उस समय से ही कांग्रेस नरम हिंदुत्व और अपने ब्रांड के सेकुलरिज्म के बीच दुविधा में डोल रही थी।एंटनी कमेटी की रिपोर्ट ने कांग्रेस की दुविधा खत्म की थी और वह खुल कर हिंदू राजनीति करने लगी थी। इसी राजनीति के तहत राहुल गांधी को शिवभक्त ठहराने का नैरेटिव बनाया गया, जो कि वे हैं नहीं। वे केदारनाथ से लेकर कैलाश मानसरोवर की यात्रा पर भी गए। उनको जनेऊधारी कौल ब्राह्मण बताया गया और दस जगह पूजा-पाठ कराए गए। भाजपा के राजनीतिक दांव से ही भाजपा को जवाब देने की रणनीति बनी। लेकिन उसमें कोई कामयाबी नहीं मिली। उलटे राहुल की छवि हास्यास्पद बन गई। मुस्लिम मतदाता भी कांग्रेस की बजाय दूसरी पार्टियों में अपना मसीहा खोजने लगे। गौर से देखें तो यही नौ साल का समय असदुद्दीन ओवैसी की कट्टरपंथी राजनीति के देश भर में विस्तार का समय है। मुस्लिम वोट के दम पर दूसरी प्रादेशिक पार्टियां मजबूत हुईं या ओवैसी का आधार बढ़ा। कांग्रेस कमजोर होती गई।इस मामले में कांग्रेस की राजनीति में बदलाव का टर्निंग प्वाइंट उत्तर प्रदेश के चुनाव नतीजों से आया। उत्तर प्रदेश में 2022 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बड़ी मेहनत की थी। कांग्रेस पार्टी का ट्रंप कार्ड मानी जाने वाली प्रियंका गांधी सक्रिय राजनीति में उतरीं और उत्तर प्रदेश की कमान संभाली। इसके बावजूद कांग्रेस की ऐतिहासिक हार हुई। पार्टी को सिर्फ 2.4 फीसदी वोट मिले। इतिहास में इतने कम वोट पार्टी को कभी नहीं मिले थे। कांग्रेस को समझ में आ गया कि उत्तर प्रदेश के मुसलमानों ने उसे छोड़ दिया है और पूरी तरह से समाजवादी पार्टी के साथ चले गए हैं। इस वजह से सपा की सीटें 47 से बढ़ कर सवा सौ हो गई और कांग्रेस सात की न्यूनतम सीमा से घट कर एक सीट पर रह गई। यह नतीजा हथौड़े की तरह कांग्रेस के ऊपर पड़ा था। कांग्रेस ने पंजाब में सत्ता गंवाई थी लेकिन उससे ज्यादा बड़ा झटका उत्तर प्रदेश के नतीजे से लगा था। कांग्रेस को पता है कि देश के मुसलमानों को उत्तर प्रदेश से मैसेज जाता है। इसलिए मार्च 2022 के बाद कांग्रेस की राजनीति को एक बार फिर बदलने की शुरुआत हुई।राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा का कार्यक्रम बना, जिसके लिए मोहब्बत की दुकान' का जुमला गढ़ा गया। यह स्थापित किया गया देश में मुसलमानों के प्रति नफरत फैलाई जा रही है और राहुल गांधी उसके खिलाफ यात्रा कर रहे हैं। उन्होंने अपनी यात्रा में खुल कर धर्मनिरपेक्षता की चर्चा की और महाराष्ट्र में कम से कम दो जगह विनायक दामोदर सावरकर को निशाना बनाया। शिव सेना से तालमेल के बावजूद प्रेस कांफ्रेंस करके सावरकर पर हमला करना अनायास नहीं था। राहुल गांधी दो टूक मैसेज देना चाहते थे कि कांग्रेस मुसलमानों के साथ है।

पेज-5

कायरव की शादी में नहीं होगी आरोही की एंट्री

शिक्षा को विश्वस्तरीय बनाना हो प्राथमिकता

संसद में सरकार द्वारा रखे आंकड़ों के मुताबिक, भारत से विदेश जाकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या में एक साल में 68 प्रतिशत इजाफा हुआ है। वर्ष 2022 में यह गिनती 7,50,365 रही, जबकि 2021 में 4,44,553 थी। न्यूनतम अनुमान के मुताबिक, इस पर आया खर्च काफी विशाल होगा। लेकिन हम सुधार की अपेक्षा रखें भी कैसे, जब पिछले दो दशक से भी ज्यादा अवधि में, सालाना बजट में शिक्षा पर सकल घरेलू उत्पाद का महज 3 फीसदी खर्च रखा गया हो। उल्लेखनीय है कि इकॉनोमिक सर्वे के अनुसार यह मद केंद्र और राज्य सरकारों, दोनों की मिलाकर है। शोर चाहे कितना ही मचाएं लेकिन किसी राजनेता या राजनीतिक दल के पास इतनी दूरदर्शिता नहीं कि शिक्षा का बजट बढ़ाया जाए। स्वास्थ्य पर बजट तो और भी कम है, जोकि जीडीपी के 1.5 फीसदी से 2.0 प्रतिशत के बीच झूलता रहता है।

कदाचित? वे हमें अज्ञानी और अधकचरे बनाए रखना चाहते हैं, जो समय-समय पर बंटने वाली सरकारी खैरातों में मुफ्त की वस्तुएं पाने के लिए पंक्तियों में लगे रहें। क्योंकि कमजोर इंसान को जाति-पाति, धर्म, पंथ इत्यादि के नाम पर बरगलाकर वोट प्राप्ति के लिए इस्तेमाल करना ज्यादा आसान होता है। अपने देश में सुविधाओं की कमी के कारण युवाओं के पास उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए विदेश जाने के सिवा विकल्प नहीं बचता। जो मौके उपलब्ध हैं भी, वे राजनीतिक लाभ के लिए बनाए विभिन्न किस्मों के आरक्षण कोटों की वजह से बहुत कम रह जाते हैं। फिर, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का बुनियादी ढांचा हमारी तेजी से बढ़ती आबादी के बरक्स गति नहीं पकड़ पा रहा॥ आज हम विश्व में सबसे ज्यादा जनसंख्या वाला देश हैं।

उच्च शिक्षा और अच्छे विश्वविद्यालयों में दाखिले के लिए अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, यूरोप की ओर हमारे बच्चों का यह पलायन क्या यूं ही जारी रहेगा? हमारी शिक्षा नीतियों, विश्वविद्यालयों की हालत और अन्य व्यावसायिक शिक्षा सुविधाओं पर एक नज़र डालने पर भविष्य के लिए आशा नहीं जगती। हमारे यहां समुचित सुविधाएं और अनुसंधान एवं विकास के लिए वह माहौल नहीं है जो युवाओं को नया सोचने और खोज करने को प्रेरित करे। जहां तकनीक चालित जगत में नित उन्नत अनुसंधान हो रहा है वहीं हमारी पुराने ढर्रे की शिक्षा प्रणाली आज भी रट्टा मारकर परीक्षा उत्तीर्ण करने पर केंद्रित है, यह हमें कहीं नहीं पहुंचा सकती। लगता है हम अपने इतिहास का पुनर्निर्माण करने और उसे अपने भविष्य के तौर पर पेश करने पर तुले हुए हैं। यह कृत्य गहन प्रतिस्पर्धा वाली मौजूदा दुनिया में हमें पछाड़कर रख देगा, न ही इससे हमारे विश्वविद्यालयों और लैब्स में क्वांटम फिजिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, नैनो-टेक्नोलॉजी, रोबोटिक्स इत्यादि नवीनतम तकनीकों का वैसा प्रसार हो पाएगा, जो भविष्य को आकार दे रहा है।

आज हम तमाम क्षेत्रों और विधाओं में पश्चिमी जगत और चीन का मुकाबला करना चाहते है, परंतु तरक्की के लिए जो दो अवयव - शिक्षा और स्वास्थ्य - एक पूर्व-शर्त हैं, वह हमारी राजनीतिक सोच में नदारद है। हम रक्षा सामग्री, मेडिकल उपकरण, सेमीकंडक्टर, कंप्यूटर, वाहन, हवाई जहाज और समुद्री जहाजों के आयात पर खरबों-खरबों रुपये खर्च रहे हैं। यह इसलिए कि स्वदेशी अनुसंधान एवं विकास सुविधाएं नगण्य हैं। हम पहले ही बहुत देर कर चुके हैं, इसलिए अपने उद्योगों का आधुनिकीकरण युद्धस्तर पर करना होगा और इसकी राह शिक्षा एवं स्वास्थ्य से होकर है। भारत सरकार उद्योगों के आधुनिकीकरण में निवेश करने को निजी क्षेत्र की मुख्य भूमिका बनवाने में सफल नहीं हो पाई।

भारत सरकार को सभी बड़े उद्योगपतियों के लिए एक समान मौके मुहैया करवाने चाहिए और साथ ही सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों को सुनियोजित ढंग से ऊपर उठाना चाहिए। तरजीह वाले क्षेत्रों की शिनाख्त करके उन्हें मदद, प्रोत्साहन व छूटें देकर बढ़ावा देना होगा। जब तक इस उपलब्धि को राष्ट्रीय हित की तरह लेकर, सुनियोजित और समयबद्ध ढंग से नहीं पाया जाएगा तब तक हम उन्नत जमात में शामिल नहीं हो सकते। विडंबना है कि जिस रूस और अन्य पश्चिमी मुल्कों से हम खरबों डॉलर का आयात कर रहे हैं उन्हीं से तकनीक देने को कह रहे हैं ताकि वे वस्तुएं भारत में बन सकें, पर इसमें सफलता न्यून रही। कंप्यूटिंग क्षमता की बात करें तो आज भी हमारे पास सुपर कंप्यूटर नहीं है और सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में तो हमारी स्थिति उस बच्चे की मानिंद है जो अभी चलना सीख रहा है। दवा क्षेत्र में, मुख्य घटक सामग्री और नवीनतम खोज के लिए हम अभी भी चीन और पश्चिमी मुल्कों पर निर्भर हैं। सूची बहुत लंबी है लेकिन यह कहना भी ठीक नहीं कि हमारी उपलब्धियां नहीं हैं ङ्क बेशक हमारे पास आईआईटी, आईआईएम, एम्स जैसे विश्वस्तरीय संस्थान हैं लेकिन हमारी जरूरत के हिसाब से बहुत कम हैं और बड़ी बात यह कि यहां से प्रशिक्षित होकर निकली प्रतिभाओं को हम उचित माहौल देकर देश में नहीं रोक पा रहे। इन संस्थानों से पढ़कर निकले अधिकांश स्नातक उच्च शिक्षा या रोजगार के लिए पश्चिमी देशों का रुख करते हैं। जाहिर है यहां पर वैसा मुफीद माहौल और अवसर नहीं हैं कि वे स्वदेश में रहना चुनें। सिलिकॉन वैली की तर्ज पर भारत में तंत्र बनाना होगा ताकि हम अपनी चोटी की प्रतिभाओं को देश में ही बनाए रखें। यह ब्रेन-ड्रेन हमारा बड़ा घाटा है। ध्यान का केंद्र उद्योगों और विश्वविद्यालयों के बीच साझेदारी बनाने और अनुसंधान के लिए सरकारी धन मुहैया करवाने पर हो। विकसित देशों में यही युक्ति कारगर रही है, जहां पर वे आपसी तालमेल से चलते हैं।

हमें याद रखना होगा कि विदेशी ताकतों का हित इसी में है कि हम आत्मनिर्भर न बन पाएं। मौजूदा रिश्तों में, वे अपनी उपभोक्ता वस्तुओं से लेकर रक्षा उत्पादों की खपत के लिए भारत को एक बड़े बाज़ार की तरह देखते हैं। उन्हें विश्व में हमारी सामरिक और भू-राजनीतिक स्थिति का भान है, चीन के साथ चल रही अपनी तनातनी में हमारी क्या हैसियत है, इसका भी उन्हें बखूबी पता है। लोकतंत्र और अधिनायकवादी व्यवस्था में बंटी इस दुनिया में वे हमें एक बड़ी लोकतांत्रिक शक्ति के रूप में देखते हैं। समाधान है आत्मनिर्भर बनना, लेकिन यह कहने या आकांक्षा करने भर से नहीं होगा। इस प्राप्ति की डगर बहुत लंबी है, दार्शनिक टैगोर के शब्दों में कहें तो = 'जहां सोच भयमुक्त हो और सम्मान बरकरार रहे, जहां ज्ञान सहजता से उपलब्ध हो... जहां उत्तमता की प्राप्ति हेतु अथक प्रयास हों, जहां तर्क की निर्मल धारा नकारात्मक आदतों के शुष्क रेगिस्तान में जाकर विलुप्त न हो।' अपने देश के करोड़ों लोगों को गरीबी से ऊपर उठाने का काम कोई बच्चों का खेल नहीं है। स्वच्छता, महिला समानता और आत्मनिर्भरता बनाने के जुमले एक परिपूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य माहौल के बिना अर्थहीन हैं। शिक्षा पाठ्यक्रम से पीरियोडिक टेबल, डार्विन का सिद्धांत और लोकतंत्र विषय को हटाने से भविष्य की राह नहीं बनने वाली।

सामाजिक सेंवाओं के लिए नवभारत समूह द्वारा मरणोपरांत पुरूस्कार से स्व.नेनाराम परिहर के परिवार के सदस्यों को किया सम्मानित

पुष्पाजंली टुडे

पुणे।वर्धमान सांस्कृतिक भवन बिववेवाड़ी में लोकप्रिय समाचार पत्र नवभारत ने हाल ही में 90 वर्ष में प्रवेश किया ।इस उपलक्ष्य में नवभारत ग्रुप की ओर से राष्ट्रीय स्थर पर राजस्थान महोत्सव का आयोजन किया गया ।कार्यक्रम का शुभारंभ गायक कलाकारों ने एक से बढ़कर भजनों की प्रस्तुति देकर चार चांद लगा दिया। इस कार्यक्रम में नवभारत की ओर से जिसमें बड़ी संख्या में राजस्थानी समुदाय उमड़ पड़े। इस मौके पर स्व॰ नेमाराम परिहार को नवभारत समुह द्वारा मरणोपरांत पुरूस्कार उनके पुत्र ललित सुपुत्री शांति, सगीता को प्रदान किया गया ।परिहार परिहार ने उनका आभार व्यक्त किया । इस कार्यक्रम में चदाराम भायल ,रगुराम काग, शेशाराम भायल, भवरलाल, शिवसेना ,जीवाराम सेप्टा,उमेश भाऊ महिलाओं मे श्रीमती संगीता महाराष्ट्र प्रात की कोशाअध्यक्ष व प्रमीला पिकी यह सब उपस्थित थे

थाना महाराजपुरा पुलिस की वाहन चेकिंग के दौरान कार्यवाही

थाना महाराजपुरा पुलिस ने शनिचरा मोड़ पर अपाचे बाइक सवार तीन बदमाशों को 315 बारे के दो कट्टे व राउण्ड सहित किया गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री राजेश सिंह चंदेल,भापुसे के निर्देश पर ग्वालियर जिले के समस्त थाना क्षेत्रों में फरार इनामी बदमाशों, आदतन अपराधियों तथा वाहन चोरों की धरपकड़ हेतु सघन चेकिंग की जा रही है। उक्त निर्देशों के परिपालन में अति0 पुलिस अधीक्षक ग्वालियर शहर (मध्य/यातायात) श्री ऋषिकेश मीणा,भापुसे द्वारा अपने अधीनस्थ समस्त थाना प्रभारियों को भी अपने-अपने थाना क्षेत्रों में रेण्डम वाहन चेकिंग करने के निर्देश दिये गये है।वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार सीएसपी महाराजपुरा श्री रवि भदौरिया के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी महाराजपुरा निरीक्षक पंकज त्यागी के द्वारा थाना बल की टीम को दिनांक 13.06.2023 को सांय शनिचरा मोड पर वाहन चेकिंग हेतु लगाया गया। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम को अपाचे मोटर सायकिल से तीन युवक आते दिखाई दिए जिन्होने पुलिस चेकिंग को देखकर भागने

का प्रयास किया। पुलिस जवानों द्वारा भाग रहे अपाचे सवार युवकों को पीछा किया और दो युवकों को पकड़ लिया गया, पीछे बैठा तीसरा युवक अपाचे से उतरकर भाग निकला, जिसको पुलिस जवानों ने काफी दूर तक पीछाकर पकड़ लिया गया, पकड़े गये युवक की तलाशी लेने पर उसके पास से एक 315 वोर का देशी कट्टा व एक जिंदा राउण्ड बरामद

जप्त मशरूका :

एक अपाचे मोटर सायकिल तथा दो 315 बोर के कट्टे मय दो जिंदा राउण्ड

किया गया तथा अपाचे मोटर सायकिल सहित पकड़े गये दोनों युवकों की तलाशी लेने पर एक के पास से एक 315 वोर का देशी कट्टा व एक जिंदा राउण्ड बरामद किया गया। अपाचे के संबंध में पूछताछ करने पर वह उसके दस्तावेज नही दिखा पाये। पकड़े गये बदमाशें में से दो ग्राम चिरोल थाना मौ जिला भिण्ड व एक महाराजपुरा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में तीनों युवकों ने पुलिस टीम को गुमराह करने का काफी प्रयास किया गया। पुलिस द्वारा पकड़े गये युवकों से अवैध हथियार के संबधं में भी पूछताछ कर रही है।

सराहनीय भूमिका :

थाना प्रभारी महाराजपुरा पंकज त्यागी, उनि नरेन्द्र छिकारा, सउनि शिवपाल सिंह, आरक्षक अनिल गुर्जर, राजीव शुक्ला, कुंजबिहारी शर्मा, गिर्राज शर्मा, शैलेन्द्र, गोविन्द की सराहनीय भूमिका रही है।

गोहद चोराहा थाना क्षेत्र के अंतर्गत नबाब सिंह का पुरा में जमीनी विवाद चलते महिला की हत्या

गोहद चोराहा थानाड़ क्षेत्र के अंतर्गत बिरखडी ग्राम पंचायत के नबाब सिंह का पुरा गांव में

दैनिक पुष्पांजली टुडे

पुराने जमीनी विवाद के चलते दोनों पक्षों द्वारा गाली गलौज करते हुए झगड़ा किया जा रहा था इसी के चलते एक महिला की मौत हो गई जानकारी के अनुसार फरियादी अजीत सिंह पुत्र वेद राम गुर्जर उम्र 22 साल निवासी नवाब सिंह का पूरा बखरी ने पुलिस को बताया कि आरोपी जय सिंह गुर्जर पुत्र मुंशी सिंह गुर्जर निवासी नवाब सिंह का पुरा ने फरियादी के घर के बाहर आरोपी ने पुराने जमीनी विवाद को लेकर मारपीट की जिससे फरियादी की मां मुन्नी बाई उर्फ गुड्डी बाई पत्नी वेदराम गुर्जर उम्र 49 वर्ष डंडा मारा जिससे मुन्नी उर्फ गुड्डी बाई को चोट लग गई परिजनों ने गांव में ही इलाज करा लिया 13 जून की रात्रि को ही महिला की अचानक मौत हो गई 14जून को सुबह सूचना मिलते ही पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौप दिया

देवभोग ब्लॉक में जल जीवन मिशन साबित हो रहा फ्लॉप

संवाददाता हेमचंद नागेश

देवभोग ।केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना जिसके अंतर्गत हर घर पानी पहुंचाना

शासन का लक्ष्य है। शासन इसके लिए करोड़ों रुपए खर्च कर रही है लेकिन इस योजना को देवभोग ब्लॉक में पतीला लगाते देखा जा सकता है। एक ओर जहां शासन की मंशा है कि प्रत्येक घरों को शुद्ध पेयजल मुहैया कराना लेकिन दूसरी तरफ देवभोग ब्लॉक में यह योजना फ्लॉप साबित होते दिखाई दे रहा है।आपको बता दें कि ब्लॉक के कुछ ऐसे गांव जहाँ पर पानी टंकी तो बना दिया गया है लेकिन ग्रामीणों को सही ढंग से पानी नही मिल पा रहा है। ऐसी स्थिति देवभोग ब्लॉक के ग्राम कुम्हड़ई खुर्द, कुम्हड़ई कला, डूमरबाहाल, झाँखरपारा, माडागाव में देखने को मिल रहा है। कुम्हड़ई कला ग्राम पंचायत की बात करें तो नल जल योजना के तहत घटिया एवं स्तर हीन कार्य करवाया गया है। संबंधित विभाग के अधिकारी एवं ठेकेदार की लापरवाही से कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। कुम्हड़ई कला में टंकी बने तीन माह होने जा रहा है, प्रत्येक घरों में नल भी लगा दिया गया लेकिन अभी तक पानी की एक बूंद यहां के ग्रामीणों को नसीब नहीं हो पा रहा है। इससे साफ जाहिर होता है कि ठेकेदार एवं संबंधित विभाग के अधिकारी की मिली भगत से कार्य को अंजाम दिया जा रहा है। और रही सही कसर ठेकेदार के द्वारा गली में गड्ढा खोद कर छोड़ दिया गया है जिससे आम लोगों को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।संबंधित विभाग के जिले के अधिकारी के मॉनिटरिंग के अभाव के चलते ही ठेकेदार के द्वारा शासन के मापदंड के अनुसार न बनाकर स्टीमेट को दर किनार कर जल जीवन मिशन के कार्य को अपने मन मर्जी से किया जा रहा है। ठेकेदार के लापरवाही कार्य को लेकर ग्रामीणों में काफी आक्रोश है ग्रामीण अब कलेक्टर से शिकायत करने की तैयारी में हैं। अब देखना होगा कि ग्रामीणों को कब तक शुद्ध पेयजल उपलब्ध होता है या फिर ग्रामीण पानी के लिए ऐसे ही तरसते रहेंगे।

शांति और आनंद के लिए जरुरी है योग: रावत

योग से होगा देश स्वस्थ और समृद्ध :चाकणकर

जिला योग प्रभारी ने किया योग प्रशिक्षण केंद्रों का अवलोकन

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजली टुडे

भितरवार। ध्यान तन, मन और आत्मा के बीच लयात्मक सम्बन्ध बनाता है और उसे बल प्रदान करता है। ध्यान का नियमित अभ्यास करने से आत्मिक शक्ति बढ़ती और मानसिक शांति की अनुभूति होती है।योग से हमें शांति तथा आनंद प्राप्त होता है। योग से हमारा मस्तिष्क एकाग्रचित होकर काम करता है तथा हमारे मन में अच्छे विचारों का निवास होता है। योग हमारे शरीर को स्वस्थ, लचीला तथा शक्तिशाली भी बनाए रखता है।उपरोक्त उदगार अनुविभागीय अधिकारी अश्विनी रावत ने शासकीय उमावि उत्कृस्ट भितरवार में प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए आयोजित प्रशिक्षण शिविर में व्यक्त किये।जिला योग प्रभारी दिनेश चाकणकर ने कहा कि देश का सबसे बड़ा धर्म 'योग' है। योग करो और योग करवाओ। शिक्षकों के पास देश की भावी पीड़ी को

गड़ने की जिम्मेदारी है इस भावी पीड़ी के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए योग जरुरी है। शिक्षक के रूप में हमारा दायित्व है हर घर में योग और ध्यान पहुंचे।योग से ही देश स्वस्थ एवं समृद्ध होगा। श्री चाकणकर ने कहा कि पिछले तीन वर्षों में कोरोना के कारण देश के बजट का एक बड़ा हिस्सा स्वास्थ्य पर खर्च हुआ है। यदि हम योग को अपनाएंगे तो स्वस्थ रहेंगे तो बजट का यही हिस्सा विकास कार्यों में खर्च होगा और हमारा देश समृद्ध बनेगा।विकासखंड योग प्रभारी कृष्णपाल यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश योग आयोग द्वारा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 21 जून 2023 में सहभागिता हेतु 1 करोड़ व्यक्तियों के रजिस्ट्रेशन का लक्ष्य रखा गया है , सहभागिता हेतु ऑनलाइन पंजीयन के लिए लिंक जारी की है। इस लिंक के माध्यम से पंजीयन कराने और योग करते हुए अपना एक फोटो अपलोड करने वालों को 21 जून को योग आयोग द्वारा ई सर्टिफिकेट दिया जायेगा । इससे पूर्व जिला योग प्रभारी ने आंतरी और भितरवार के प्रशिक्षण केंद्रों का अवलोकन किया । इन प्रशिक्षण केंद्रों पर कीर्ति उपाध्याय,अश्विनी यादव, भानसिंह, सुरेश,राकेश जोशी, आरती आगाशे आदि ने योगाभ्यास कराया। अंत में एसडीएम श्री अश्विनी रावत, संजय गुप्ता, सुनील शुक्ला, अरुण कुमार, अंकित शर्मा और सुशील कुमार ने आतंरिक सफाई के साथ ध्यान कराया।

18 वर्ष से कम उम्र के बालकों को है नि :शुल्क विधिक सहायता का अधिकार...

भिंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशानुसार एवं श्री सुरभि मिश्रा, प्रधान जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, भिण्ड के आदेशानुसार बाल गृह भिण्ड में विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया।उक्त अवसर पर मुख्य रूप से उपस्थित श्री हिमांशु कौशल, जिला न्यायाधीश/ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड ने उपस्थितजनों को नालसा की बालकों के लिए मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाऐं योजना, 2015 के अंतर्गत् बाल अधिकार अधिनियम, 2005 के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि बच्चों के अधिकारों के संरक्षण हेतु राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय बाल सुरक्षा अधिकार आयोग (एन.सी.पी.सी.आर.) तथा राज्य स्तर पर राज्य बाल सुरक्षा अधिकार आयोग (एस.सी.पी.सी.आर.) का गठन किया गया है। उक्त दोनों सस्थायें मुख्यतः बच्चों से संबंधित कानूनों के क्रियान्वयन तथा भारत सरकार एवं राज्य सरकारों को बच्चों से संबंधित पॉलिसी पर सलाह प्रदाय करती हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने चाईल्ड हेल्प लाईन नंबर 1098 के संबंध में भी जानकारी दी। उक्त अवसर पर उपस्थित श्री सौरभ कुमार दुबे, जिला विधिक सहायता अधिकारी, भिण्ड द्वारा निःशुल्क विधिक सहायता योजना के संबंध में जानकारी देते हुए बताया गया कि बच्चे नियमानुसार निःशुल्क विधिक सहायता हेतु पात्र हैं जिसका लाभ वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में उपस्थित होकर/ पत्र के माध्यम से या टोल फ्री नंबर 15100 पर संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं। उक्त अवसर पर बालगृह की अधीक्षिका श्रीमती निधि चौबे एवं बालगृह का स्टॉफ, बच्चे तथा श्री जितेन्द्र शर्मा, पीएलव्ही, भिण्ड उपस्थित रहे।इसी क्रम में किशोर न्याय बोर्ड, भिण्ड में विधिक साक्षरता एवं जागरुकता शिविर का आयोजन किया गया। उक्त अवसर पर उपस्थित सुश्री अंकिता गुप्ता, प्रिंसिपल मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड, भिण्ड ने उपस्थितजनों को किशोर न्याय अधिनियम के प्रावधानों की जानकारी दी एवं साथ ही निःशुल्क विधिक सहायता योजना के अंतर्गत् जानकारी देते हुए बताया गया कि 18 वर्ष से कम उम्र के बालकों को निःशुल्क विधिक सहायता का अधिकार है जिसे किशोर न्याय बोर्ड में अधिवक्ता की मांग कर या जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत कर प्राप्त किया जा सकता है। इसके साथ ही टोल फ्री नं. 15100 पर भी सम्पर्क कर विधिक सहायता प्राप्त की जा सकती है।

6 आरोपितों पर 2-2 हजार का ईनाम घोषित

एसपी आलोक कुमार सिंह ने 06 आरोपियों पर 2-2 हजार रूपये का ईनाम घोषित किया है। जिसमें आरोपी सुल्तान बंजारा, नेता बंजारा, लाखन बंजारा, अशोक आदिवासी, सूरज आदिवासी एवं गंगली आदिवासी निवासी शंकरपुर थाना मानपुर पर देहात थाना श्योपुर में धारा 4/9, 6/9 मध्यप्रदेश गौवंश वध प्रतिषेध अधिनियम 2004, धारा 11 पशुओ के प्रति क्रूरता निवारण अधिनियम 1960 के तहत अपराध क्रमांक 169/23 दर्ज है। उक्त आरोपियों की गिरफ्तारी अथवा बंदी करवाने के लिए सूचना देने पर 2-2 हजार रूपये का इनाम घोषित किया गया है।

युवती ने फांसी लगाकर किया आत्महत्या का प्रयास, कोटा रेफर

– देहात थाना क्षेत्र के सोंईकलां गांव की घटना।

देहात थाना क्षेत्र के सोंईकलां गांव में मंगलवार-बुधवार की रात 11:30 बजे एक युवती ने अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्म हत्या करने का प्रयास किया। स्वजनों को पता चलने पर तुरंत फंदे से उतारकर जिला अस्ताल ले गए जहां डाक्टरों ने उसकी गंभीर हालत को देखते हुए कोटा रेफर कर दिया। अस्पताल चौकी से मिली जानकारी के अनुसार सोंईकलां निवासी 20 वर्षीय आरूसी पुत्री राधेश्याम बैरवा खाना खाकर सो गई। तभी रात को उसने उठकर कमरने में फंदा बनाकर फांसी लगा ली। तभी स्वजनों को इस बारे में पता चला गया तो उन्होंने तुरंत उसे फंदे से नीचे उतार लिया जिससे उसकी जान तो बच गई लेकिन वह गंभीर रूप से घायल हो गई। स्वजन उसे तुरंत अस्पताल लेकर गए जहां से डाक्टरों ने उसे कोटा रेफर दिया है, जहां उसका इलाज चल रहा है।

तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, बच्चे सहित चार घायल

बड़ौदा थान क्षेत्र के पांडोला गांव के पास से घटना।

बड़ौदा हाइवे पर पांडोला गांव के पास से तेज रफ्तार में दौड़ रही कार ने पीछे से बाइक में टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो बच्चे, महिलाए सहित चार लोग घायल हो गए हैं। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उनका इलाज चल रहा है।

रक्तदान सबसे बडा पुण्य का कार्यः कलेक्टर

विश्व रक्तदाता दिवस पर कलेक्टर ने किया रक्तदान,रक्तदान में भागीदारी करने वाली 74 संस्थाएं सम्मानित

विश्व रक्तदाता दिवस पर जिला चिकित्सालय सभागार में ब्लड बैंक श्योपुर के तत्वाधान में आयोजित सामाजिक संस्थाओं के सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा ने कहा कि रक्तदान करना सबसे बडा पुण्य का कार्य है। रक्तदान से बडा कोई दान नही, यह लोगों को जीवन प्रदान करने का कार्य करता है। उन्होंने श्योपुर की सामाजिक संस्थाओं के रक्तदान के लिए गए गये कार्यो की प्रशंसा करते हुए कहा कि भले ही हमारा जिला छोटा है, लेकिन यहां के लोग बडे दिल वाले है। ब्लड बैंक को विभिन्न अवसरो पर शिविर आयोजित कर रक्त की उपलब्धता करा रहे है, जो यहां के लोगों को जरूरत के वक्त काम आता है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष गुड्डी बाई आदिवासी, नगरपालिका अध्यक्ष रेणु सुजीत गर्ग, पूर्व विधायक दुर्गालाल विजय, भाजपा जिला अध्यक्ष सुरेंद्र जाट, सिविल सर्जन डा. दिलीप सिकरवार सहित अन्य चिकित्सक, जनप्रतिनिधि तथा सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कलेक्टर शिवम वर्मा एवं उपस्थित जनप्रतिनिधियों द्वारा इस अवसर पर 15 जून 2021 से 14 जून की अवधि में आयोजित किए गए रक्तदान शिविर के लिए 74 सामाजिक संस्थाओं को सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त अवधि में विभिन्न अवसरो पर सामाजिक संस्थाओं द्वारा 100 कैम्प आयोजित कर 03 हजार 337 यूनिट रक्त ब्लड बैंक श्योपुर के लिए एकत्रित किया गया है। कार्यक्रम का संचालन पुष्पाश्री फाउडेंशन के श्री अरूण ओसवाल तथा सहयोग स्व. मुकेश गुप्ता स्मृति सेवा न्यास के श्री महावीर द्वारा किया गया।

कलेक्टर ने किया रक्तदान

विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर जेसीआई श्योपुर की ओर से आयोजित रक्तदान शिविर में कलेक्टर शिवम वर्मा द्वारा रक्तदान किया गया। इसके अलावा जेसीआई सदस्यों तथा युवाओं द्वारा रक्तदान कर शिविर में सहभागिता की गई।

रक्तदान करते कलेक्टर। रक्तदानदाताओं को प्रमाण पत्र देते अतिथि।

साक्षी बोलीं- हम पर समझौते का दबाव

मुद्दा सुलझने तक एशियन गेम्स नहीं खेलेंगे; बजरंग ने कहा- सरकार बृजभूषण की गिरफ्तारी को तैयार नहीं

पानीपत। रेसलर्स और ङ्खस्नढ्ढ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण के विवाद में शनिवार को सोनीपत में खाप पंचायत हुई। इसमें साक्षी मलिक और बजरंग पूनिया पहुंचे। दोनों ने खाप प्रतिनिधियों को गृह मंत्री अमित शाह और खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से हुई मीटिंग के बारे में बताया।

इस दौरान साक्षी मलिक ने कहा कि हमें लगातार धमकी भरी कॉल आ रही हैं। कहा जा रहा है कि समझौता कर लो। नहीं तो पूरा करियर खत्म हो जाएगा। जबकि हम पहले दिन से ही कर रहे हैं कि बृजभूषण को कस्टडी में लिया जाए। वह बाहर रहेगा तो दूसरों पर प्रेशर रहेगा। पॉक्सो एक्ट वाली लड़की टूट चुकी है। धीरे-धीरे और भी लड़कियां टूट जाएंगीं। हम एशियन गेम्स तभी खेलेंगे जब ये सारा मुद्दा सुलझेगा। उन्होंने कहा कि मैं यह क्लियर कर देती हूं कि हम सब एक हैं। मैं, बजरंग और विनेश हम एक हैं और एक ही रहेंगे।

विनेश के ना आने का रीजन है। कुछ इन्क्वायरी चल रही हैं। कुछ और लीगल कार्रवाई हैं। वह भी संभालनी पड़ती हैं। वहीं बजरंग ने कहा कि सरकार बृजभूषण की गिरफ्तारी के लिए तैयार नहीं है। केंद्र ने 15 जून तक का समय लिया है। कोई कार्रवाई नहीं हुई तो बृजभूषण की गिरफ्तारी के लिए फिर से धरना दिया जाएगा। 15 के बाद 16 या 17 जून को जंतर-मंतर या रामलीला के मैदान पर दोबारा धरना किया जा सकता है।

गीता फोगाट 2014 में मुझे अपना पर्सनल फिजियोथेरेपिस्ट बनाकर साई लखनऊ कैंप में ले गईं। मैंने देखा कि आधी रात के बाद लड़कियां बाहर जाती हैं। जिसकी मैंने अपने लेवल पर जांच की। मुझे पता चला कि जिन गाड़ियों में ये लड़कियां ले जाई जा रही हैं, वह ङ्क्षक्कसांसद और फेडरेशन के अध्यक्ष बृजभूषण सिंह की सिक्योरिटी में लगी गाड़ियां होती थीं।

मैंने चीफ कोच कुलदीप मलिक और कमल सेन को कहा कि रात में बच्चे कहीं बाहर जाते हैं, इनको देखा जाना चाहिए। ये सब लिखित में चीफ कोच कुलदीप मलिक और दूसरे सीनियर अफसरों को दिया। कई बार मीडिया से भी साझा करने की कोशिश की, लेकिन मेरी बात को दबा दिया गया।

मैंने इस बारे में रात को बाहर जाने वाली लड़कियों से बात की। लड़कियों ने कहा कि इसके अलावा उनके पास कोई दूसरा चारा नहीं है। मैंने लगातार कंप्लेंट की तो अचानक मुझे लखनऊ के साई कैंप से छुट्टी दे दी गई।

लखनऊ के साई सेंटर में युवा महिला पहलवानों को फंसाया जाता है। कैंप में अनऑफिशियल रूप से 4-5 लोग रखे गए हैं। थोड़ा चोट लगने पर भी युवा पहलवानों को घर भेजने के नाम पर डराया जाता है। उन्हें कहा जाता कि हम नेताजी से मिलवाकर आपको घर जाने से रोक लेंगे। कैंप में बृजभूषण की एक पूरी टीम काम करती है।

महिला पहलवान को क्राइम सीन री-क्रिएट करने के लिए दिल्ली में बृजभूषण के घर पर बने भारतीय कुश्ती संघ (ङ्खस्नढ्ढ) के ऑफिस में ले जाने पर तृणमूल कांग्रेस (ञ्जरूष्ट) ने सवाल खड़े किए।

उन्होंने इसे महिला पहलवान को मानसिक आघात पहुंचाने की कार्रवाई करार देते हुए दिल्ली पुलिस पर सवाल खड़े किए। उन्होंने दिल्ली महिला आयोग (ष्ठष्टङ्ख) की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल से घटना पर तत्काल संज्ञान लेकर जिम्मेदार पुलिस अफसरों से जवाब मांगने को कहा।ञ्जरूष्ट के प्रवक्ता साकेत गोखले ने कहा, %पीड़िता को यौन शोषण के आरोपी के घर ले जाना चौंकाने वाला है। दिल्ली पुलिस पहलवान को डराने की कोशिश कर रही है। ये कोई हत्या का मामला नहीं, जहां क्राइम सीन री-क्रिएट कराना हो। ये सीधे तौर पर महिला पहलवान के मन में डर पैदा किया जा रहा है क्योंकि आरोपी बृजभूषण को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया गया है। इसके बाद मीडिया पर चली तमाम खबरों पर विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने कहा- महिला पहलवान पुलिस इन्वेस्टिगेशन के लिए क्राइम सीन पर गई थीं, लेकिन मीडिया में बताया गया कि वे समझौता करने गई हैं। बृजभूषण की यही ताकत है।

वह बाहुबल, राजनीतिक ताकत और झूठे नैरेटिव चलवाकर महिला पहलवानों को परेशान कर रहा है। उसकी गिरफ्तारी जरूरी है। इधर, सांसद बृजभूषण सिंह से जब जांच के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा- मेरे पास कोई नहीं आया। महिला पहलवान विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक। ये तीनों ही बृजभूषण के खिलाफ प्रदर्शन की अगुआई कर रहे हैं। महिला पहलवान विनेश फोगाट, बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक। ये तीनों ही बृजभूषण के खिलाफ प्रदर्शन की अगुआई कर रहे हैं। बृजभूषण और रेसलर्स के विवाद के बीच ङ्खस्नढ्ढ चुनाव की तैयारी शुरू हो गई है। एडहॉक समिति ने मतदाता सूची एकत्र करके चुनाव कराने की दिशा में पहला कदम उठाया है। केंद्र सरकार ने चुनाव के लिए 30 जून की समय सीमा निर्धारित की है। इस बीच, एक इंटरनेशनल रेफरी जगबीर सिंह ने दिल्ली पुलिस को दिए बयान में कहा कि इवेंट में बृजभूषण पहलवानों को छू रहे थे। महिला रेसलर असहज नजर आ रही थी। उसने बृजभूषण को धक्का भी दिया था। ऐसा लगता है कि उस दिन कुछ तो गलत हुआ।

दूसरी घटना का जिक्र करते हुए बताया कि 2013 में जूनियर एशिया चैंपियनशिप की बात है, जो फुकेट थाईलैंड में खेली गई थी। वहां भी बृजभूषण और उसके साथियों ने शराब के नशे में बच्चियों को उन जगह छुआ था, जहां से नहीं छूना चाहिए था। उस घटना से पहले बृजभूषण ने बच्चियों को इंडियन फूड खिलाने की बात कही थी, लेकिन डिनर से पहले बृजभूषण और उनके साथियों ने शराब पी थी। बृजभूषण के खिलाफ 6 महिला पहलवानों ने यौन शोषण का केस दर्ज कराया था। दिल्ली पुलिस ने 2 महिला रेसलर, एक इंटरनेशनल रेफरी और एक कोच के बयान दर्ज किए हैं।

दिल्ली पुलिस को दिए बयान में 2010 की कॉमनवेल्थ गोल्ड मेडलिस्ट अनीता ने भी पहलवानों के दावों की पुष्टि की। अनीता ने कहा- महिला पहलवान ने बताया था कि बृजभूषण ने उसे कमरे में बुलाकर जबरन गले लगाया। उसने मुझे इसके बारे में बताया। फिर हम वहां से पटियाला नेशनल कैंप में लौटे तो महिला पहलवान मेरे आगे रो पड़ी थी। साल 2022 में कोरोना वायरस की वजह से एशियन गेम्स का आयोजन नहीं हुआ था। जिसे अब करवाया जा रहा है।

साल 2022 में कोरोना वायरस की वजह से एशियन गेम्स का आयोजन नहीं हुआ था। जिसे अब करवाया जा रहा है। पहलवान इस महीने होने वाले एशियाई खेलों के चयन ट्रायल में भाग लेना चाहते हैं। एशियाई खेल 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक चीन के हांगझोउ में होने हैं। साक्षी मलिक के पति और अंतरराष्ट्रीय पहलवान सत्यव्रत कादियान ने कहा- हम चयन ट्रायल में हिस्सा लेना चाहते हैं, लेकिन इसकी तैयारी के लिए हमें कम से कम डेढ़ महीने के प्रशिक्षण की जरूरत है। नाबालिग पहलवान ने ङ्खस्नढ्ढ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ लगाए यौन शोषण के आरोप वापस ले लिए हैं। उन्होंने कहा- बृजभूषण ने मेरे साथ भेदभाव किया। नाबालिग पहलवान के पिता ने इसकी पुष्टि की। नाबालिग के पिता ने कहा- हमने 5 जून को सुप्रीम कोर्ट में बयान बदल दिए थे। मैंने किसी लोभ या लालच में नहीं, डर की वजह से बयान बदले। मैं ये नहीं कहना चाहता कि किसने धमकी दी है। ङ्खस्नढ्ढ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी के लिए आंदोलन कर रहे पहलवानों और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बीच हुई मीटिंग से जुड़ी जानकारियां छन-छनकर सामने आने लगी हैं। अचानक हुई इस बैठक से सभी हैरान रह गए थे। दरअसल, इस मीटिंग की जमीन ङ्क के ही 2 प्रमुख सांसदों ने तैयार की थी। ये दोनों सांसद जाट समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और प्रदर्शन कर रहे ज्यादातर रेसलर्स भी जाट हैं (पूरी खबर पढ़ें)

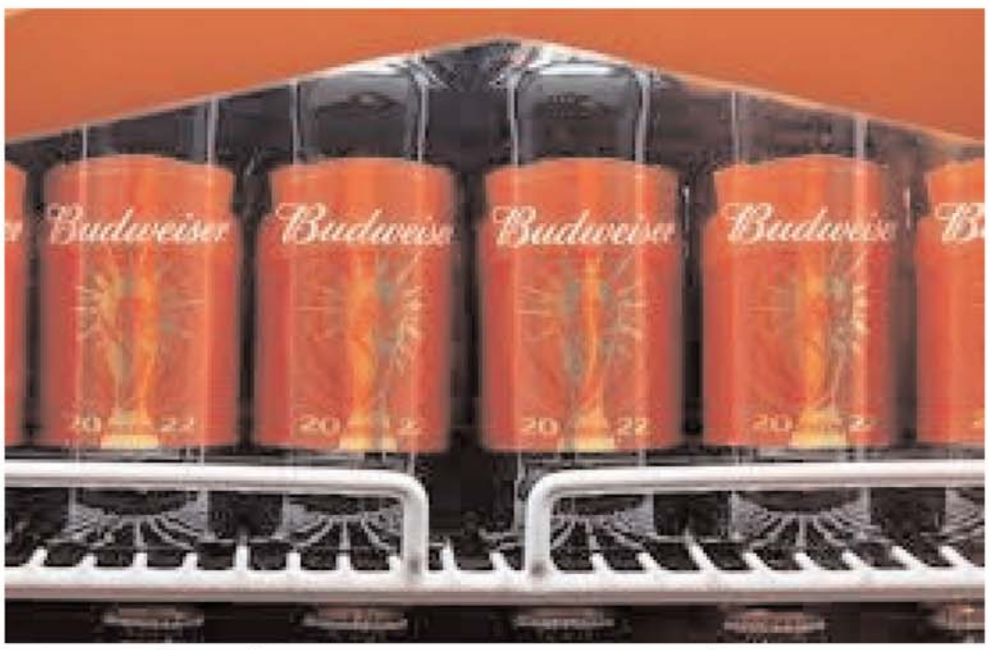

फीफा महिला विश्व कप 2023 और पुरूष विश्व कप 2026 का आधिकारिक बियर प्रायोजक बना एबी इनबेव

नई दिल्ली, 10 जून। विश्व फुटबॉल की नियामक संस्था फीफा ने महिला फुटबॉल विश्व कप 2023 और फीफा विश्व कप 2026 के लिए एबी इनबेव के साथ आधिकारिक बीयर प्रायोजक के रूप में करार किया है। फीफा महिला विश्व कप अगले महीने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड की मेजबानी में शुरु होगा, जिसमें 32 टीमें पहली बार प्रतियोगिता में भाग लेंगी। इस बीच, फीफा विश्व कप 2026, कनाडा, मैक्सिको और संयुक्त राज्य अमेरिका के 16 शहरों में आयोजित किया जाएगा, जिसमें 48 टीमें हिस्सा लेंगी और 104 मैच खेले जाएंगे। तीन देशों द्वारा आयोजित किया जाने वाला यह पहला विश्व कप होगा। एबी इनबेव के मुख्य विपणन अधिकारी मार्सेल मार्कोन्डेस ने कहा, फीफा विश्व कप टूर्नामेंट दुनिया में सबसे लोकप्रिय खेल आयोजन हैं। हम दुनिया भर के प्रशंसकों और फुटबॉल से गहराई से जुड़े हुए हैं, यही वजह है कि हम फीफा के साथ संबंध बढ़ाने को लेकर उत्साहित हैं। अरबों फुटबॉल प्रशंसकों के लिए एक बीयर पर खुश होना और जश्न मनाना अनुभव का एक हिस्सा है। हमें प्रशंसकों के साथ जुड़ने के नए, सार्थक तरीके पेश करते हुए गर्व हो रहा है। फीफा के मुख्य व्यवसाय अधिकारी रोमी गाई ने कहा, हमें इस सफल साझेदारी को नवीनीकृत करने पर गर्व है, जो निस्संदेह 2023 और 2026 में नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। हमारे सबसे लंबे समय तक चलने वाले प्रायोजकों में से एक के रूप में, एबी इनबेव के निवेश से खेल को लाभ होगा, साथ ही हमारे सबसे प्रतिष्ठित टूर्नामेंटों के दौरान फुटबॉल प्रशंसकों के अनुभव में रचनात्मकता और उत्साह आएगा।

श्रीलंका ने सीडब्ल्यूसी क्वालीफायर टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की

कोलंबो, 10 जून। श्रीलंका ने जिम्बाब्वे में आगामी आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप (सीडब्ल्यूसी) क्वालीफायर टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है।टीम में हाल ही में संपन्न इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2023 में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए 19 विकेट लेने वाले %जूनियर मलिंगा' के नाम से प्रसिद्ध तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को शामिल किया गया है। पथिराना ने इसी महीने अफगानिस्तान के खिलाफ अपना एकदिनी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया है। अपने डेब्यू मैच में उन्होंने 66 रन देकर एक विकेट लिया है।पथिराना के अलावा 29 वर्षीय दुशान हेमंथा टीम में नया चेहरा हैं। दो नए चेहरों के टीम में जगह बनाने के बाद अनुभवी एंजेलो मैथ्यूज के लिए जगह नहीं बची थी। सीडब्ल्यूसी क्वालीफायर 18 जून से शुरू होगा, जिसमें दस टीमें इस साल के अंत में भारत में होने वाले आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप में बचे अंतिम दो स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी।श्रीलंका की 15 सदस्यीय टीम इस प्रकार है- दासुन शनाका (कप्तान), कुसल मेंडिस (उपकप्तान और विकेटकीपर), दिमुथ करुणारत्ने, पथुम निसांका, चरिथ असालंका, धनंजय डी सिल्वा, सादीरा समरविक्रमा (विकेटकीपर), वानिंदु हसरंगा, चमिका करुणारत्ने, दुशमंथा चमीरा, कसुन राजिता, लाहिरू कुमारा, महेश थीक्षणा, मथीशा पथिराना, दुशान हेमंथा।

फीफा महिला विश्व कप में हिस्सा लेने वाले प्रत्येक खिलाडि़यों को मिलेंगे 30,000 अमेरिकी डॉलर

नई दिल्ली, 10 जून। फीफा ने शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में फीफा महिला विश्व कप 2023 के लिए अपने नए भुगतान वितरण मॉडल की घोषणा की, जिसमें टूर्नामेंट में भाग ले रहे प्रत्येक खिलाड़ी को कम से कम 30,000 अमेरिकी डॉलर वितरित किए जाएंगे। वित्तीय आवंटन के अनुसार, प्रत्येक खिलाड़ी को समूह चरण के लिए 30,000 यू.एस. डॉलर प्राप्त होंगे, जबकि चैंपियंस टीम के पास प्रत्येक खिलाड़ी के लिए 270,000 यू.एस. डॉलर होंगे, पुरस्कार राशि के साथ प्रत्येक खिलाड़ी को राउंड ऑफ़ 16 और रनर-अप के बीच 60,000 से 195,000 यू एस डॉलर दिये जाएंगे। फीफा ने कहा कि यह पहल महिलाओं के फुटबॉल को विकसित करने और खिलाडि़यों को एक उचित सौदा सुनिश्चित करने की ओर एक और ठोस कदम है। फीफा अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने कहा, इस अभूतपूर्व नए वितरण मॉडल के तहत, फीफा महिला विश्व कप 2023 में हिस्सा ले रही प्रत्येक महिला खिलाड़ी व्यक्तिगत रूप से पारिश्रमिक पर भरोसा कर सकती हैं। भाग लेने वाले प्रत्येक सदस्य संघ को कम से कम 1.56 मिलियन अमेरिकी डॉलर मिलेंगे, और विजेताओं को 4.29 मिलियन अमेरिकी डॉलर वितरित किए जाएंगे। फीफा के अनुसार, फीफा महिला विश्व कप 2023 में इसका कुल निवेश 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक होने का अनुमान है।

नोवाक जोकोविच 23वें ग्रैंड स्लैम से एक कदम दूर, फ्रेंच ओपन के फाइनल में की एंट्री

नईदिल्ली, 10 जून। लोगों पर जिस तरह फुटबॉल और क्रिकेट का खुमार चढ़ता है, वैसा ही इस समय लोगों पर टेनिस ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट फ्रेंच ओपन खुमार चढ़ा हुआ है। इसका कारण यह है की 2023 के इस सीजन में एक बार फिर सर्बियाई प्लेयर नोवाक जोकोविच ने धमाकेदार अंदाज में जीत दर्ज की है। मीडिया रिपोटर्स की माने तो जोकोविच ने मेन्स सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में शानदार जीत दर्ज कर फाइनल में एंट्री कर ली है। जोकोविच का यह किसी भी ग्रैंड स्लैम का 34वां फाइनल होगा। खबरों के अनुसार जोकोविच ने सेमीफाइनल में स्पेन के वर्ल्ड नंबर-1 कार्लोस अल्कारेज को 6-3, 5-7, 6-1, 6-1 से हराया है। स्पेनिश स्टार राफेल नडाल और जोकोविच अब तक सबसे ज्यादा 22-22 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके है। इस बार यदि जोकोविच यह फ्रेंच ओपन खिताब जीतते हैं, तो वह सबसे ज्यादा 23 ग्रैंड स्लैम जीतकर इतिहास रच देंगे।

नीरज चोपड़ा ने पावो नूरमी खेलों से लिया नाम वापस

प्रतिभागियों की लिस्ट में नाम नहीं; मांसपेशियों में खिंचाव, FBK गेम्स भी नहीं खेले

पानीपत। टोक्यो ओलिंपिक के गोल्ड मेडल विजेता नीरज चोपड़ा ने पावो नूरमी खेलों से अपना नाम वापस ले लिया है। ये प्रतियोगिता 13 जून को फिनलैंड के तुर्कू में होनी है। हालांकि उनके नाम वापस लेने के संबंध में कोई आधिकारिक रिपोर्ट नहीं है। प्रतिभागियों की अपडेट सूची से उनका नाम गायब है। प्रतिभागियों की अपडेट सूची टूर्नामेंट की आधिकारिक वेबसाइट पर शुक्रवार को जारी की गई थी। मई में दोहा डायमंड लीग जीतकर अपने सीजन की शुरुआत करने वाले नीरज चोपड़ा ने 4 जून में नीदरलैंड में हुई स्नक्च्य गेम्स में भी हिस्सा नहीं लिया था। नीरज चोपड़ा ने सोशल मीडिया के जरिए बताया था कि मांसपेशियों में खिंचाव के कारण गेम्स से नाम वापस लिया है। ये मांसपेशियां अभ्यास के दौरान खींची थी। संभावना जताई जा रही है कि नीरज ने पावो नूरमी गेम्स में भी इसी कारण से भाग नहीं लिया होगा।

नीरज चोपड़ा ने पावो नूरमी खेलों के पिछले संस्करण में 89.30 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता था। फिनलैंड के ओलिवर हेलेंडर के बाद दूसरे स्थान पर रहे। गौरतलब है कि इवेंट में नीरज चोपड़ा का थ्रो उस समय उनका बेस्ट था। हालांकि, उन्होंने 2022 विश्व कप के दौरान अपने रिकॉर्ड को बेहतर किया। उन्होंने 89.94 मीटर की थ्रो फेंकी, जो मौजूदा राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। 2024 के ओलिंपिक के करीब आने के साथ, इस साल के टूर्नामेंट मौजूदा विश्व नंबर 1 के लिए निश्चित रूप से महत्वपूर्ण हैं। चूंकि वह पावो नूरमी खेलों में भाग नहीं ले रहे हैं, इसलिए उनका अगला बड़ा टूर्नामेंट कुओर्टेन गेम्स है, जिसके बाद लुसाने डायमंड लीग है। वह हांग्जो, चीन में एशिया गेम्स 2023 में लगातार दूसरे महाद्वीपीय स्वर्ण पदक की भी तलाश करेंगे। हेलेंडर अपने खिताब का बचाव करने के लिए पूरी तरह तैयार

फिनलैंड के ओलिवर हेलेंडर पावो नूरमी खेलों में भाग लेंगे। गत चैंपियन ने नीरज चोपड़ा को हराने के लिए 89.83 मीटर का थ्रो फेंका। अब ओलिवर हेलेंडर के आसानी से अपने खिताब का बचाव करने की संभावना है।

इस वर्ष के पावो नूरमी खेलों के अन्य फेमस प्रतिभागियों में जूलियन वेबर (जर्मनी), कर्टिस थॉम्पसन (संयुक्त राज्य अमेरिका), जैकब वाडलेज्च (चेक गणराज्य) और केशोर्न वाल्कोट (त्रिनिदाद और टोबैगो) शामिल हैं। प्रतिभागियों की पूरी सूची टूर्नामेंट की आधिकारिक वेबसाइट पर देखी जा सकती है।

'बिग बॉस ओटीटी 2 की फाइनल कंटेस्टेंट लिस्ट जारी

'बिग बॉस ओटीटी सीज़न 2' इस समय मोस्ट अवेटेड शो है. ये रियलिटी शो एक साल के बाद डिजिटल प्लेटफॉर्म पर कमबैक कर रहा है. इसका पहला सीजन साल 2021 में ऑन एयर हुआ था. पहले सीजन को करण जौहर ने होस्ट किया था.

वहीं 'बिग बॉस ओटीटी सीज़न 2' को इस बार सलमान खान होस्ट करेंगे. ऐसे में इस शो को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट हैं और वे इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. हाल ही में 'बिग बॉस ओटीटी सीज़न 2' का प्रोमो रिलीज किया गया था. वहीं फैंस शो के कंटेस्टेंट को जानने के लिए भी काफी बेताब हैं और फाइनली मेकर्स ने 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 2' के कंटेस्टेंट की कंफर्म लिस्ट जारी कर दी है. चलिए जानते हैं इस बार शो में कौन-कौन सेलेब्स धमाल मचाते नजर आएंगे. छोटी बहू फेम अविनाश सचदेव सबसे पहले कंफर्म कंटेस्टेंट हैं. अपने इंट्रो सीन में वह कहते हैं, लड़कियां मेरी लाइफ में आई और गई. प्यार में मेरा हाल बेहाल है अविनाश की लव लाइफ काफी चर्चा में रही है. उन्होंने अपने शो इस प्यार को क्या नाम दूं' की को-एक्ट्रेस शालमली देसाई से 2015 में शादी की हालांकि बाद में इनका तलाक हो गया. उन्होंने अपने शो 'छोटी बहू' की को-एक्ट्रेस रुबीना दिलैक को डेट किया था और उनका पिछला ब्रेकअप पलक पुरस्वानी के साथ हुआ था.ईटाइम्स टीवी की रिपोर्ट के मुताबिक आकांक्षा पुरी भी बिग बॉस ओटीटी 2 में नजर आएंगी. आकांक्षा 'विघ्नहर्ता गणेश', 'कैलेंडर गर्ल्स' और 'मीका दी वोटी' जैसे प्रोजेक्ट्स का हिस्सा रही हैं. मीका सिंह की पार्टनर बनकर आकांक्षा मीका दी वोटी शो की विनर रहीं. लेकिन बाद में उन्होंने रिश्ता तोड़ दिया. आकांक्षा ने कभी पारस छाबड़ा को भी डेट किया था.

आलिया सिद्दीकी भी शो में आएंगी नजर- बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी की अलग रह रही पत्नी आलिया इन दिनों अपने मिस्ट्री मैन को लेकर सुर्खियों में हैं. उन्होंने हाल ही में अपने बॉयफ्रेंड के साथ तस्वीरें शेयर की थी. बता दें कि आलिया भी इस सीज़न की कंफर्म कंटेस्टेंट्स में से एक हैं. इंट्रो में आलिया कहती हैं, मेरी पहचान हमेशा से एक स्टार वाइफ होने की रही है. जब आपके रिश्ते में कोई सम्मान नहीं होता है तो वह रिश्ता कमजोर हो जाता है. मैं जानती हूं कि मैंने पिछले 19 साल किन मुश्किलों से गुजारे हैं. जब भीतर कोई सुनने वाला न हो तो बाहर चिल्लाते हो और मैंने भी वैसा ही किया. मैं अपनी शादीशुदा जिंदगी की सभी परेशानियों को खत्म करना चाहती हूं और इसलिए मैं बिग बॉस में हूं.

भाग्यलक्ष्मी की देविका ओबेरॉय यानी बेबिका भी हैं कंफर्म कंटेस्टेंट- बेबिका डेली सोप भाग्यलक्ष्मी में देविका ओबेरॉय के रूप में नजर आती हैं. इंट्रो में उन्हें एक ज्योतिषी से सलाह करने के बाद फैसला लेते हुए दिखाया गया है. उनके बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन बिग बॉस ओटीटी 2 यकीनन उनके करियर के लिए काफी अच्छा रहेगा.

फलक नाज भी बीबी ओटीटी 2 की हैं कंफर्म कंटेस्टेंट- 'ससुराल सिमर का', 'देवों के देव...महादेव', 'राधा कृष्ण' और कई अन्य शो कर चुकीं फलक नाज इस सीजन में नजर

आएंगी. प्रोमो में वह अपने भाई के लिए लड़ने की बात करती हैं. वे कहती हैं, %%आप सभी मुझे बहन के तौर पर जानते हैं, जो अपने भाई के लिए लड़ी. मुझे नाज है खुद पर. मेरे लिए, मेरा परिवार पहले आता है.÷ बता दें कि फलक शीज़ान खान की बहन है. शीजान खान कथित तौर पर तुनिशा शर्मा की आत्महत्या के मामले में आरोपी हैं. हाल ही में शीजान को जमानत मिली थी और वह फिलहाल खतरों के खिलाड़ी 13 की शूटिंग कर रहे हैं. वहीं फलक बीबी ओटीटी 2 में नजर आएंगी.

बिग बॉस ओटीटी 2 की कंटेस्टेंट बनी जिया शंकर- जिया शंकर भी बिग बॉस ओटीटी 2 की कंटेस्टेंट बन चुकी हैं. प्रोमो में वे कहती हैं, मेरे लिए कुछ भी ग्रे नहीं है, यह या तो काला है या सफेद है. मुझे पता है कि मैं सुंदर हूं और मैं बहुत ईमानदार हूं. और मेरी ईमानदारी की वजह से मेरे रिश्ते बिगड़ जाते हैं. यह मैं हूं, इसे ले लो या इसे छोड़ दो.

बिग बॉस ओटीटी 2 की कंटेस्टेंट हैं मनीषा रानी- मनीषा रानी एक डिजिटल क्रिएटर, डांसर और आर्टिस्ट हैं. सोशल मीडिया पर उनके 4.4 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं. वह कहती है कि बिग बॉस ओटीटी 2 के घर में सभी को उनसे प्यार हो जाएगा.

पलक पुरसवानी भी हैं बिग बॉस ओटीटी 2 की कंफर्म कंटेस्टेंट- अविनाश सचदेव की एक्स और एक्ट्रेस पलक पुरसवानी भी बिग बॉस ओटीटी 2 में नजर आएंगी. वह शो के लिए पहले कन्फर्म नामों में से एक रही हैं. वह इंट्रो में कहती हैं, अगर मुझे समय पर कॉफी नहीं मिली तो मैं फ्लिप कर जाऊंगी. हर साल घर में गुड लुकिंग लड़के आते हैं. मुझे उम्मीद है कि मैं कुछ का ध्यान भटकाउंगी.

ये भी बिग बॉस ओटीटी 2 में आएंगे नजर- बिग बॉस ओटीटी 2 में एक यूट्यूबर, दुबई की एक मॉडल, एक आरजे और एक्टर और एक वायरल सेंसेशन भी नजर आएंगे. इनके चेहरों का खुलासा नहीं किया गया है लेकिन उनका रॉक-सॉलिड इंट्रो इस बात का सबूत है कि वे शो में खुद को दिखाने का मौका नहीं चूकने वाले हैं. इनके अलावा अंजलि अरोड़ा, आवेज दरबार के नाम भी चर्चा में हैं.

कब और कहां स्ट्रीम होगा बिग बॉस ओटीटी 2- बिग बॉस ओटीटी 2 17 जून से स्ट्रीम होगा. ये शो इस बार जियो सिनेमा पर आएगा. इस शो में 14 कंटेस्टेंट होंगे. बिग बॉस ओटीटी 2 को सलमान खान होस्ट करेंगे और उनके साथ स्टेज पर कृष्णा अभिषेक भी नजर आएंगे.

वहीं 'बिग बॉस ओटीटी सीज़न 2' को इस बार सलमान खान होस्ट करेंगे. ऐसे में इस शो को लेकर फैंस में काफी एक्साइटमेंट हैं और वे इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं. हाल ही में 'बिग बॉस ओटीटी सीज़न 2' का प्रोमो रिलीज किया गया था. वहीं फैंस शो के कंटेस्टेंट को जानने के लिए भी काफी बेताब हैं और फाइनली मेकर्स ने 'बिग बॉस ओटीटी सीजन 2' के कंटेस्टेंट की कंफर्म लिस्ट जारी कर दी है. चलिए जानते हैं इस बार शो में कौन-कौन सेलेब्स धमाल मचाते नजर आएंगे. छोटी बहू फेम अविनाश सचदेव सबसे पहले कंफर्म कंटेस्टेंट हैं. अपने इंट्रो सीन में वह कहते हैं, लड़कियां मेरी लाइफ में आई और गई. प्यार में मेरा हाल बेहाल है अविनाश की लव लाइफ काफी चर्चा में रही है.

चोरी में चौकस हैं राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखने वाली शरवरी

14 जून 1997 के दिन मुंबई में मराठी परिवार में जन्मी शरवरी वाघ आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं. मुंबई के द दादर पारसी यूथ्स असेंबली हाई स्कूल और रुपरेल कॉलेज से पढ़ाई-लिखाई करने वाली शरवरी राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखती हैं. दरअसल, उनके नाना मनोहर जोशी महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं. वहीं, उनके पिता शैलेश वाघ मुंबई के जाने-माने बिल्डर हैं, जबकि मां नम्रता वाघ आर्किटेक्ट हैं. इनके अलावा उनकी बहन कस्तूरी भी भी आर्किटेक्ट हैं. शरवरी वाघ ने बॉलीवुड में अपना करियर बतौर असिस्टेंट डायरेक्टर शुरू किया था. उन्होंने सबसे पहले साल 2015 के दौरान लोगों को दिल चीरने यानी प्यार का पंचनामा 2 में अपना कमाल दिया. इसके बाद उन्होंने बाजीराव मस्तानी में भी असिस्टेंट डायरेक्टर की जिम्मेदारी संभाली. वहीं, सोनू के टीटू की स्वीटी में भी इस जिम्मेदारी को आगे बढ़ाया. तीन-तीन फिल्मों में असिस्टेंट डायरेक्ट की जिम्मेदारी निभाकर शरवरी मायानगरी के गुणा-गणित को आसानी से समझ चुकी थीं. ऐसे में उन्होंने फैंस का दिल चुराने के लिए कदम बढ़ा दिया. दरअसल, साल 2021 में रिलीज हुई बंटी और बबली 2 में शरवरी ने अहम किरदार निभाया. इस फिल्म में वह सोनिया बबली रावत के किरदार में नजर आई थीं. बता दें कि शरवरी साल 2020 के दौरान वेब सीरीज द फॉरगॉटन आर्मी - आजादी के लिए में माया श्रीनिवासन का किरदार भी निभा चुकी हैं. आपको यह जानकर हैरानी होगी कि अपने छोटे से फिल्मी करियर में ही शरवरी दो बड़े अवॉर्ड्स अपने नाम कर चुकी हैं. दरअसल, फिल्म बंटी और बबली 2 के लिए उन्हें साल 2022 का डेब्यू ऑफ द ईयर का आईफा अवॉर्ड और बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवॉर्ड भी मिला था. शरवरी जल्द ही फिल्म सितारा के तारे में नजर आएंगी. हालांकि, अभी इस फिल्म की रिलीज डेट का ऐलान नहीं हुआ है.

48 की उम्र में मोनोकिनी पहन शिल्पा शेट्टी ने फ्लॉन्ट किया परफेक्ट फिगर

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी इंडस्ट्री की सुपरहॉट एक्ट्रेसेस में से एक हैं. शिल्पा ही फिल्मों में कम एक्टिव हो लेकिन वो सोशल मीडिया पर छाई हुई रहती हैं. हाल ही में एक्ट्रेस ने अपनी बिकिनी लुक की एक दिलकश तस्वीर फैंस के साथ शेयर की है. जो अब तेजी से वायरल हो रही है. शिल्पा शेट्टी ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक गॉर्जियस तस्वीर शेयर की है. इस तस्वीर में शिल्पा पूल के पास बैठी हुई हैं और उन्होंने प्रिंटिड मोनोकिनी है. इस मोनोकिनी में एक्ट्रेस 48 साल की उम्र में अपना परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट कर रही हैं. शिल्पा ने अपना ये हसीन लुक खुले लहराते बालों और आंखों पर चश्मा लगाकर पूरा किया है. तस्वीर में एक्ट्रेस स्विमिंग पूल के पास खड़ी होकर सन बाथ ले रही हैं. इस फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा - टस्कन सन के नीचे बाथ लेते हुए...ये जगह डिवाइन है और इसे 3 हजार सालों से पवित्र जल के रूप में भी जाना जाता है..इसका अनुभव करके धन्य और कायाकल्प महसूस करें... शिल्पा की ये तस्वीर अब तेजी से इंटरनेट पर वायरल हो रही है. जिसपर फैंस खूब प्यार बरसा रहे हैं. शिल्पा की तस्वीर पर फैंस तो उनकी जमकर तारीफ कर ही रहे हैं. साथ ही बॉलीवुड की ड्रामा क्वीन राखी सावंत ने भी

एक्ट्रेस की पोस्ट पर हॉट वाली इमोजी बनाई है. इसके अलावा फिल्म निकम्मा में उनके साथ नजर आने वाले अभिमन्यु दासानी ने भी इसपर कमेंट किया और लिखा- वाह...वर्कफ्रंट की बात करें तो शिल्पा रोहित शेट्टी की इंडियन पुलिस फोर्स में दिखाई देंगी. जिसमें उनके साथ सिद्धार्थ मल्होत्रा और विवेक ओबेरॉय भी नजर आएंगे. इसके अलावा वो अमित साध के साथ सुखी में भी दिखाई देंगी.

जब सुशांत ने खुद को चार महीने तक कमरे में रखा कैद

बेहतरीन अदाकारी... जिंदादिल शख्सियत और बिंदास अंदाज... ये वही बातें हैं, जिनके लिए सुशांत सिंह राजपूत को आज भी याद किया जाता है. ...लेकिन उनके आखिरी कदम को याद करके फैंस अब भी उदास हो जाते हैं. क्या आपको पता है कि अपने उस खौफनाक कदम से पहले भी सुशांत ने एक बार खुद को चार महीने कमरे में कैद रखा था. हालांकि, यह मसला उनके आखिरी कदम से जुड़ा हुआ नहीं था. फिर सुशांत ने खुद को कमरे में क्यों किया था कैद आइए जानते हैं।

कम उम्र में हासिल की थीं उपलब्धियां- सुशांत सिंह राजपूत बॉलीवुड के उन सितारों में शुमार हैं, जिन्होंने बेहद कम उम्र में ही तमाम उपलब्धियां हासिल कीं. साथ ही, कई जबर्दस्त फिल्में भी दीं, जिन्होंने बॉक्स ऑफिस पर जमकर कमाई की. सबसे खास बात यह थी कि सुशांत खुद को खुद को किसी भी किरदार में ढालने के लिए काफी मेहनत करते थे और इसके लिए किसी भी हद तक गुजर जाते थे. यही वजह रही कि काए पो छे से एक्टिंग करियर की शुरुआत करने वाले सुशांत

अपनी पहली ही मूवी से फिल्म मेकर्स की पसंद बन गए थे.

इस फिल्म के लिए झोंक दी थी जान- सुशांत ने अपने करियर में अलग-अलग किरदार निभाए, जिनमें से एक फिल्म व्योमकेश बख्शी थी. इसमें उन्होंने जासूस का किरदार निभाया था. बता दें कि इस किरदार को निभाने के लिए सुशांत ने काफी ज्यादा मेहनत की थी. उन्होंने खुद एक इंटरव्यू में इसका जिक्र किया था. उन्होंने बताया था, इस फिल्म के पहनावे, वजन घटाने और 40 के दशक के लुक को अपनाने के लिए ज्यादा मशक्कत नहीं करनी पड़ी थी, लेकिन व्योमकेश बख्शी का किरदार निभाने के लिए काफी मेहनत करनी पड़ी थी. बता दें कि सुशांत ने जासूस के किरदार में खुद को ढालने के लिए चार महीने तक किसी से कोई बातचीत नहीं की थी. साथ ही, उस दौरान उन्होंने खुद को कमरे में बंद कर लिया था.

छोटे पर्दे पर भी चलाया था अपना जादू- बता दें कि सुशांत सिंह राजपूत ने सबसे पहले छोटे पर्दे पर अपनी अदाकारी का जादू दिखाया था. उन्होंने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत एकता कपूर के टीवी शो पवित्र रिश्ता से की थी. इस शो में उनके साथ अंकिता लोखंडे लीड किरदार में थीं. इस सीरियल में उनके अभिनय को काफी ज्यादा सराहा गया था.

औद्योगिक क्षेत्रों की भूमि को फ्री होल्ड किया जाए :एमपीसीसीआई

ग्वालियर । औद्योगिक क्षेत्रों की भूमि को फ्री होल्ड किए जाने के साथ ही प्रदेश में औद्योगिक विकास को बढावा देने के संबंध में मध्यप्रदेश चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री द्वारा प्रदेश के सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा को पत्र के माध्यम से सुझाव प्रेषित किये गये हैं।एमपीसीसीआई अध्यक्ष-डॉ. प्रवीण अग्रवाल, संयुक्त अध्यक्ष-हेमंत गुप्ता, उपाध्यक्ष-डॉ. राकेश अग्रवाल, मानसेवी सचिव-दीपक अग्रवाल, मानसेवी संयुक्त सचिव-पवन कुमार अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष-संदीप नारायण अग्रवाल द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया है कि मध्यप्रदेश औद्योगिक रूप से पिछड़ा प्रदेश है। इस पिछड़ेपन का मुख्य कारण उद्योगों के लिए हमारी नीतियां समीपवर्ती प्रदेशों से प्रतिस्पर्धात्मक न होना है। इसकी वजह से जब किसी वर्तमान इकाई का विस्तार या नवीन इकाई की स्थापना का प्रोजेक्ट आता है तो वह समीवर्ती प्रदेशों में शिफ्ट हो जाती है। इसलिए बहुत आवश्ड़यक है कि राज्य की उद्योग नीति समीपवर्ती प्रदेशों के अनुरूप प्रतिस्पर्धात्मक बने जिसमें अन्य प्रदेशों की अपेक्षा दरें कम हों ताकि मध्यप्रदेश में उद्योग स्थापित हो सकें।

एमपीसीसीआई द्वारा औद्योगिक विकास के संबंध में निम्न सुझाव प्रेषित किये गये हैं-

1. औद्योगिक क्षेत्रों की भूमि को फ्री होल्ड किया जाए।
2. मध्यप्रदेश में उद्योगों की समस्याओं के निराकरण के लिए वास्तविक रूप से एकल खिड़की प्रणाली लागू होना चाहिए। वर्तमान में जो एकल खिड़की प्रणाली है, वह भ्रष्टाचार का बड़ा अड्डा है। इसके विपरीत यदि एकल विण्डो प्रणाली वास्तविक रूप से लागू कर, ऑनलाइन कर दिया जाये, जिसमें अधिकारी व हितग्राही दोनों ही घर बैठे उसका स्टेटस जान सकें या हितग्राही से कोई अतिरिक्त जानकारी की आवश्ड़यकता है तो वह ऑनलाइन ही दी जा सके।3. औद्योगिक क्षेत्रों में नगर निगम

संपत्ति कर ले रहा है एवं एमएसएमई विभाग संधारण शुल्क ले रहा है। यह दोहरा कर समाप्त किया जाना चाहिए। एक ही कर औद्योगिक क्षेत्रों पर लगना चाहिए।

4. कृषि आधारित उद्योगों को कच्चा माल के लिये एजेंसी तय कर दरें निर्धारित करें, ताकि अन्य विभागीय अधिकारी भी निर्धारित एजेंसी के माध्यम से फायर ऑडिट का कार्य करा सकें। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने कहा है कि राजस्व भवन के समीप की भूमि पर एक संयुक्त कार्यालय भवन का निर्माण किया जाना है। इसके लिये पीआईयू सेल के अधिकारी डीपीआर तैयार करने का कार्य करें। उन्होंने यह भी कहा है कि मोतीमहल में जिन कार्यालयों ने भवन खाली कर दिए हैं, लेकिन फर्नीचर एवं अन्य सामान वहीं पर है तो उसे हटाने की कार्रवाई कर चाबी लोक निर्माण विभाग को सौंपें। मुख्यमंत्री जन सेवा अभियान की समीक्षा के दौरान सभी विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि सीएम हैल्पलाइन के जो प्रकरण शेष बचे हैं उसके निराकरण की कार्रवाई तेजी के साथ पूरी करें। ग्वालियर-चंबल संभाग में जो गौशालाएँ निर्मित की गई हैं उनको क्रियाशील बनाने की कार्रवाई भी विभागीय अधिकारी तत्परता से करें।

खरीदने के लिए मण्डी टैक्स देना पड़ता है। यह मण्डी टैक्स 1.50त्न से घटाकर 0.5त्न किया जाना चाहिए।

5. एमएसएमई की बिजली दरों में ऊर्जा प्रभार+नियत प्रभार+विद्युत शुल्क को यदि जोड़ा जाये तो उद्योगों को लाइट 8-9 रूपये यूनिट पड़ रही है और उच्च दाब कनेक्शन होने की स्थिति में यह और अधिक बढ सकती है। इसलिए बहुत आवश्ड़यक है कि उद्योगों को मिलने वाली बिजली की कुल दर 7/- रूपये से अधिक नहीं होना चाहिए। यदि नियामक आयोग द्वारा इससे अधिक दरों का निर्धारण किया जाता है तो राज्य सरकार को उस पर सब्सिडी प्रदान करना चाहिए।
6. औद्योगिक क्षेत्र की लीज डीड में संशोधन के लिए रक्त संबंधित व्यक्तियों के लिए सिर्फ रूपये 10000/- को लेकर ट्रांसफर किया जाना चाहिए। वर्तमान में डेवलपमेंट फीस एवं नए रेट से लीज रेंट लिया जाता है, जो अत्याधिक है। इसमें संशोधन किया जाना चाहिये।
7. कई औद्योगिक क्षेत्रों में आज भी सड़क, बिजली और पानी की व्यवस्था नहीं है जो कि जल्द से जल्द उपलब्ध कराया जाना चाहिए।
8. उद्योगों पर डायवर्सन टैक्स नहीं लगना चाहिए।

पदाधिकारियों ने बताया है कि म.प्र. में उद्योगों की स्थापना की प्रचुर संभावनायें हैं लेकिन इसमें सबसे बड़ी बाधा का काम हमारी नीतियां करती हैं। अत- आवश्ड़यक है कि मध्यप्रदेश के सभी व्यवसायिक संगठनों को एक सुखद वातावरण में बैठाकर इस पर खुले मन से चर्चा की जाना चाहिए और ये चर्चा तभी की जाना चाहिए जब इसमें आये बिन्दुओं पर अधिकतम एक माह में निर्णय लेकर सरकार उसका क्रियान्वयन करने की स्थिति में हो। इसका आयोजन एमपीसीसीआई खुले मन से करने को तैयार है।

राम-जानकी मंदिर से लगी भूमि पर अतिक्रमण न हटाने पर संबंधित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस

ग्वालियर । शहर में औकाफ माफी के राम-जानकी मंदिर की भूमि से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई में लापरवाही बरतने पर संबंधित एसडीएम एवं तहसीलदार को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने दिए हैं। इसके साथ ही निर्धारित समय में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई सुनिश्चित करने को भी कहा है। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में समीक्षा के दौरान यह निर्देश दिए हैं। संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित अंतरविभागीय समन्वय समिति की बैठक में संभाग आयुक्त दीपक सिंह ने कहा है कि औकाफ माफी के मंदिरों से लगी हुई भूमि पर अतिक्रमण किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जायेगा, संबंधित राजस्व अधिकारी यह सुनिश्चित करें। उन्होंने साईस कॉलेज मार्ग पर साफ-सफाई एवं रो? किनारे अस्थायी अतिक्रमण को हटाने के संबंध में भी राजस्व अधिकारियों और नगर निगम के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ला?ली बहना योजना की समीक्षा के दौरान संभागीय आयुक्त दीपक सिंह न `

महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि जिन महिलाओं के खातों की डीबीटी नहीं हुई है, उसे अभियान के रूप में कराया जाए। अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने-अपने कार्यालयों में फायर ऑडिट कराएँ। इसके साथ ही निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे फायर ऑडिट आवश्यकता हो तो बैंक में नए खाते खोलने की कार्रवाई भी की जाए। अग्नि दुर्घटना की संभावनाओं को देखते हुए सभी विभागीय

स्कूल शिक्षा विभाग का शैक्षणिक सत्र 20 जून से प्रारंभ होगा

ग्वालियर 7 स्कूल शिक्षा विभाग का शैक्षणिक सत्र 20 जून से प्रारंभ होगा। सत्र प्रारंभ होने से पहले सभी शासकीय स्कूलों के भवनों की मरम्मत, पुताई एवं सफाई का विशेष अभियान चलाकर कार्य किया जाए। शाला भवनों में पेयजल की उपलब्धता भी ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिलों के स्कूलों में हो, यह भी जिला शिक्षा अधिकारी सुनिश्चित करें। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने बुधवार को स्कूल शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में यह निर्देश दिए हैं। संभागीय आयुक्त कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित समीक्षा बैठक में संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संस्थाएँ सहित ग्वालियर-चंबल संभाग के सभी जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी उपस्थित थे। संभागीय आयुक्त दीपक सिंह ने यह भी निर्देश दिए हैं कि शैक्षणिक सत्र प्रारंभ होने से पूर्व सभी स्कूलों में पाठ्य-पुस्तकें अनिवार्यत- पहुँचाने का कार्य किया जाए। जिला शिक्षा अधिकारी अपने-अपने जिले में यह सुनिश्चित करें कि सभी शालाओं में पुस्तकें उपलब्ध हों। उन्होंने शाला में प्रवेश के संबंध में निर्देश दिए हैं कि आंगनबा?ी के ऐसे बच्चे जिन्हें कक्षा-1 में प्रवेश दिया जाना है, उनका शतप्रतिशत शालाओं में पंजीयन हो। इसके साथ ही शाला त्यागी बच्चों का भी प्रवेश स्कूल में हो, इसके लिये जिला शिक्षा अधिकारी और डीपीसी पूरी टीम के साथ कार्य करें। संभागीय आयुक्त ने कहा है कि जिला शिक्षा अधिकारी स्वयं एवं अपनी टीम के लोगों को कम से कम 10 ग्रामों में भेजकर अभिभावकों से चर्चा करें और शाला जाने योग्य सभी बच्चों का शाला में प्रवेश सुनिश्चित कराएँ। पाँचवी कक्षा उत्तीर्ण करने वाले और आठवीं कक्षा उत्तीर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं का अगली कक्षा में पंजीयन हो, इसकी भी चिंता जिला शिक्षा अधिकारी करें। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि शिक्षण सत्र प्रारंभ होने के पश्चात सभी शिक्षक समय पर शाला पहुँचें और बच्चों को अच्छे से प?ाएँ। स्कूल के कैम्पस साफ-सुथरे हों, इसकी भी चिंता शिक्षकगण करें।

मंत्रि-परिषद: 9 हजार विद्यार्थियों को मिलेगी ई-स्कूटी, सहकारिता नीति, 2023 का अनुमोदन

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में मंत्रि-परिषद की बैठक आज मंत्रालय में हुई। मंत्रि-परिषद ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने के लिये नवीन योजना अंतर्गत प्रदेश के सभी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को ई-स्कूटी प्रदान करने का निर्णय लिया है। अगर एक से ज्यादा विद्यार्थियों के सर्वाधिक अंक है तो उन सभी को योजना का लाभ मिलेगा। जिन क्षेत्रों में ई-स्कूटी उपलब्ध नहीं है वहाँ पर स्कूटी प्रदाय की जाएगी। योजना से लगभग 9 हजार विद्यार्थी लाभान्वित होंगे। वर्ष 2023-24 के बजट में योजना के क्रियान्वयन के लिये 135 करो? रूपये का प्रावधान किया गया है। उल्लेखनीय है कि विद्यार्थियों को विद्यालयों तक पहुँचने में सुविधा बढ़ाने तथा निर्भरता कम करने, उच्च शिक्षा के लिये प्रोत्साहित करने, आत्म-विश्वास जागृत करने के लिये नवीन योजना का प्रावधान किया गया है।मंत्रि-परिषद ने मुख्यमंत्री चौहान की घोषणा अनुरूप अनुसूचित जाति कल्याण विभाग द्वारा 15 अप्रैल 2023 को जारी आदेश 'अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति के लिए आय सीमा 6 लाख से बढ़ा कर 8 लाख रूपये किये जाने और अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को विदेश अध्ययन छात्रवृति मानविकी विषयों के लिए भी दिए जाने का अनुसमर्थन किया। साथ ही अशासकीय संस्थाओं में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति वर्ग के विदयार्थियों की पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति की वार्षिक आय सीमा 8 लाख रूपये किये जाने की सहमति प्रदान की गई। उल्लेखनीय है कि जनजातीय कार्य विभाग द्वारा शासकीय एवं शासकीय वित्त पोषित शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययनरत अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों के लिए आय सीमा का बंधन समाप्त किया गया है। आय सीमा में वृद्धि से अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों को शिक्षा प्राप्त करने के व्यापक अवसर प्राप्त हो सकेंगे। मंत्रि-परिषद ने ÷मध्यप्रदेश की सहकारिता नीति, 2023 का अनुमोदन करते हुए समयबद्ध कार्य-योजना बनाकर क्रियान्वित करने के लिए सहकारिता विभाग को अधिकृत किया है। यह सहकारिता नीति राज्य में सहकारिता को एक जन-आंदोलन बनाने की दिशा में अग्रसर करने का मार्ग प्रशस्त करेगी। सहकारिता के माध्यम से नवीन क्षेत्रों में समितियाँ गठित

किया जायेगा और सहकारिता की आंतरिक एवं संरचनात्मक कमियों को दूर करने की कार्यवाही की जा सकेगी। साथ ही सहकारिता में सूचना प्रौद्योगिकी का व्यापक स्तर पर उपयोग किया जाएगा। सहकारी नीति में कृषि साख, शहरी साख, सहकारी विपणन, सहकारी आवास, उपभोक्ता सहकारिता, सहकारी बीज उत्पादन एवं विपणन, लघु वनोपज सहकारी समितियाँ, डेयरी सहकारिता, सहकारी मत्स्य पालन आदि प्रमुख क्षेत्र शामिल हैं।मंत्रि-परिषद ने 600 मेगावॉट क्षमता की ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर परियोजना को राज्य शासन की भुगतान सुरक्षा गारंटी तथा उसके प्रारूप को सहमति प्रदान की है। उल्लेखनीय है कि नर्मदा नदी के ओंकारेश्वर जलाशय पर 600 मेगावॉट क्षमता की फ्लोटिंग सोलर परियोजना का निर्माण 2 चरण में किया जा रहा है। ओंकारेश्वर फ्लोटिंग सोलर परियोजना देश तथा विश्व की सबसे बड़ी फ्लोटिंग सोलर परियोजनाओं में से एक होगी। ओंकारेश्वर परियोजना देश की बहुउद्देशीय परियोजनाओं में से एक है, जहाँ सिंचाई, जल विद्युत् उत्पादन के साथ अब सौर ऊर्जा का उत्पादन भी होगा एवं पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा। मंत्रि-परिषद ने लोक सेवा प्रबंधन विभाग अंतर्गत अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान में मुख्यमंत्री श्री चौहान की घोषणा अनुरूप ÷मुख्यमंत्री यूथ इंटर्नशिप फॉर प्रोफेशनल डेवलपमेंट प्रोग्राम÷ प्रोग्राम में संशोधन की स्वीकृति दी है। प्रोग्राम में इंटर्न का मानदेय 8 हजार रूपये से ब?ा कर 10 हजार रूपए प्रतिमाह किया जाएगा। इंटर्न की नियुक्ति अब ब्लॉक स्तर के साथ पंचायत स्तर पर की जाएगी।साथ ही मंत्रि-परिषद ने अटल बिहारी वाजपेयी सुशासन एवं नीति विश्लेषण संस्थान भोपाल में मुख्य कार्यपालन अधिकारी पद पर नियुक्ति के प्रावधान में संशोधन के संबंध में लोक सेवा प्रबंधन के 13 मई 2021 को जारी आदेश की कडिका ड्डढ्ढढ्ढ में संशोधन प्रतिस्थापित करने का निर्णय लिया है। मंत्रि-परिषद ने जनजातीय कार्य विभाग अंतर्गत सी.एम. राइज योजनान्तर्गत 11 उच्चतर माध्यमिक शाला भवनों के निर्माण कार्यों के लिए 338 करो? 83 लाख 6 हजार रूपये की स्वीकृति प्रदान की है।

उपलब्ध हैं।
फाइनेंस / लोन / होम लोन
ग्वालियर मुरैना बामोर गोहद मालनपुर डबरा इत्यादि जगह में आप मकान खरीदने ओर प्लॉट खरीद कर मकान बनाने के लिए लोन के हैं जरुरत तो करें हमसे संपर्क।
संपर्क करें
07974596469

प्रो. अमित मो. 7772843302 9617243208
श्री हनुमते नमः
प्रो. दीपक मो. 9639422665 7024015532
जय दंदरौआ सरकार इन्टरप्राइजेज
डिस्पोजल
दोना पत्तल, डिस्पोजल प्लेट, ग्लास, पत्ते वाली पत्तल, दोने निर्माता एवं थोक विक्रेता
शादी, पार्टी एवं अन्य शुभ कार्यो आदि में सभी सामान फैक्ट्री रेट पर उपलब्ध है

मध्यप्रदेश में चल रहा जन-कल्याण का महायज्ञ सीएम चौहान

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज मंत्रालय सभा कक्ष में मंत्रि-परिषद की बैठक प्रारंभ होने से पहले मंत्रि-परिषद के सदस्यों से कहा कि मध्यप्रदेश में जन-कल्याण का महायज्ञ चल रहा है। प्रदेश के साड़े आठ करोड़ नागरिकों के कल्याण के लिए सरकार संकल्पित है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना के 10 जून के कार्यक्रम और किसान -कल्याण के 13 जून के कार्यक्रम सफल हुए। यह सप्ताह इस दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण रहा । किसानों और बहनों को मंत्रि-परिषद की ओर से बधाई दी गई ।मंत्रि-परिषद के सदस्यों और प्रशासनिक टीम को इन कार्यक्रमों और योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के लिए बधाई देते हुए मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना ,पहली बार किसी योजना के त्वरित क्रियान्वयन का यह अनोखा उदाहरण है। नर्मदा जयंती 28 जनवरी को योजना प्रारंभ करने की घोषणा,5 मार्च को योजना के शुभारंभ,इसके बाद पात्र बहनों के आवेदन-पत्र प्राप्त करने,ई-केवायसी की औपचारिकता पूर्ण कर बैंक खाते में राशि अंतरित करने की संपूर्ण प्रक्रिया निर्धारित तरीके से पूरी की गई।

पुष्पांजली टुडे
आम सूचना / कोर्ट नोटिस
साइज फिक्स रूपये
8x4 cm 1120
10x4 cm 1400
12x4 cm 1680
अन्य साइज 50/- sq.cm.
बुकिंग के लिए संपर्क करें
0751-4050784
8269307478

पुष्पांजली टुडे
गुमशुदा / खोया -पाया
नाम परिवर्तन
साइज फिक्स रूपये
8x4 cm 1050
अन्य साइज 50/- sq.cm.
बुकिंग के लिए संपर्क करें
0751-4050784
8269307478

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478